राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 235 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 23 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

इसरो ने शुरू की स्पैडेक्स-2 मिशन की तैयारी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में 2 उपग्रहों को सफलतापूर्वक एक साथ लाने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने दूसरे स्पैडेक्स मिशन की योजना तैयार कर रही है। इस बार 2 उपग्रहों को अंडाकार कक्षा में स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। पहला स्पैडेक्स मिशन सफल रहा था, जिसमें 220 किलोग्राम के 2 सेटेलाइट्स 470 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक गोलाकार कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित हुए थे।

आगामी स्पैडेक्स-2 मिशन और भी अधिक चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि, इसमें दीर्घवृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग शामिल है। ऐसा इसलिए है क्योंकि, उपग्रहों का प्रक्षेप पथ और वेग दीर्घवृत्ताकार कक्षा में बदलता रहता है, जिससे एक बिंदु के लिए की गई गणना कुछ मिनटों के बाद बदल जाती है। मामले से परिचित एक वैज्ञानिक ने कहा, एक वृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग दीर्घवृत्ताकार कक्षा में डॉकिंग की तुलना में बहुत आसान है।

छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन-केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर एवं आई-हब रायपुर का किया वर्चुअली उद्घाटन

पहली बार वर्षा ऋतु में भी चलेगा नक्सल विरोधी अभियान-केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह

रायपुर(समय दर्शन)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरुआत की गई है। कुल 268 करोड़ रुपये की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जाँच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। उन्होंने बताया कि अब फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी।

आई-हब की स्थापना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड़ने, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है, और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हुए हैं, जिससे रोजगार, राजस्व और औद्योगिक संस्कृति को बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक गति दी है।

पहली बार ऐसा हुआ है कि वर्षा ऋतु में भी सुरक्षा बल सक्रिय हैं और

पहलगाम हमले के आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

अनन्तनाग। पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एनआईए ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कथित तौर पर हमलावरों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान करने का आरोप है। दोनों व्यक्तियों की पहचान परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर के रूप में हुई है। इन्होंने पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकवादियों के नामों का भी खुलासा किया है। एनआईए ने कहा, पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के ही हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल 3 सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान बताई है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तान के नागरिक थे। एनआईए ने बताया कि परवेज और बशीर ने हमले से पहले जानबूझकर 3 सशस्त्र आतंकवादियों को हिल पार्क स्थित एक झोपड़ी में पनाह दी थी। एनआईए ने बताया कि परवेज और बशीर पहलगाम घाटी में ही दुकान लगाते थे। हमले वाले दिन से पहले उन्होंने हिल पार्क में मौसमी ढोक (झोपड़ी) में 3 हथियारबंद आतंकवादियों को पनाह दी थी। कथित तौर पर दोनों ने आतंकवादियों को खाने, रहने और रसद में भी मदद की थी। इन्हीं आतंकियों ने अगले दिन दोपहर को वहां पर मौजूद पर्यटकों पर धार्मिक पहचान के आधार पर हमला किया था। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला कर दिया था और 26 निर्दोष पुरुष पर्यटकों की उनका धर्म पूछकर हत्या कर दी थी।

किसानों के खेत तक पहुंचेगा विज्ञान, वैज्ञानिक अब सप्ताह में तीन दिन करेंगे दौरा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. इसके तहत अब वैज्ञानिक सप्ताह में तीन दिन खेतों में जाकर किसानों से सीधी बातचीत करेंगे और उन्हें नवीनतम कृषि तकनीकों, बीजों की गुणवत्ता, मृदा परीक्षण, जल प्रबंधन, फसल रोग नियंत्रण और उन्नत खेती विधियों की जानकारी देंगे. इस निर्णय का उद्देश्य पारंपरिक खेती को वैज्ञानिक आधार पर सुदृढ़ करना और किसानों की आमदनी को बढ़ाना है.

ईसीआई का बड़ा कदम: मीडिया के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग मीडिया के सहयोग से मतदाता पहुंच बढ़ाने के लिए पहली बार केंद्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित करेगा. 7 जुलाई को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में यह कार्यशाला होगी. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस बाबत पत्र भेजा है. ईसीआई ने पत्र में लिखा है, दिल्ली

के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में 7 जुलाई को एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित की जाएगी. कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्रीय मीडिया के साथ आयोग के जुड़ाव को मजबूत करना तथा चुनावी जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए एक मजबूत संचार नेटवर्क विकसित करना है.

पत्र के अनुसार, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 10 प्रमुख क्षेत्रीय मीडियाकर्मी कार्यशाला में भाग लेंगे. इसके अलावा सीईओ कार्यालय के अधिकारी जो सीधे मीडिया और संचार कार्य से जुड़े हैं, वे भी कार्यशाला में भाग लेंगे.

संक्षिप्त समाचार

खम्हरिया में एक के बाद एक दो कुआं में मिली लाश, अमलेश्वर पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम खमहरिया (कुरूद डीह) में दो लाश मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जैसे ही घटना की जानकारी हुई बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे है। पुलिस भी मौके पर पहुंच कर लाश को कुएं से निकाला गया। जानकारी के मुताबिक सुबह गांव का ही एक लड़का कुआं में गया था नहाने के लिए। तभी पानी में बदबू आने की खबर गांव के ही कुछ लोगों को दिया। इसके कुछ देर बाद ही ग्रामीणों का भीड़ लग गया। कुएं में एक बोरा तैरती मिली। घटना की खबर अमलेश्वर पुलिस को दी गई। जब तक अमलेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची तब तक ग्रामीण पास में ही स्थित एक अन्य कुआं को देखने लगे। जिसमें भी एक बोरा तैरती मिली। जब पहले वाले कुआं से बोरी को निकाली गई तो उसके अंदर साड़ी में बंधे एक बच्चे की लाश मिली। जो कि टी शर्ट पहना था। देखने से करीब 8 साल का उम्र लग रहा था। इसके बाद दूसरे कुआं से भी बोरा को निकाला गया। जिसमें कपड़ा से लपटा हुआ एक महिला की लाश मिली। महिला की उम्र करीब 35 होगी। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों की लाश को बोरी में भरकर मिट्टी डाला था साथ ही पत्थर से भी बांध दिया था। पुलिस के अनुसार लाश का पंचनामा कराकर पीएम के लिए भेज दिए है। जिससे कि पता चले कि लाश कितनी पुरानी है। अभी भी दोनों लाश का शिनाख्त नहीं हो पाया है।

भाजपा ग्रामीण मंडल द्वारा योग दिवस पर एक दिवसीय योग कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली (समय दर्शन) करो योग, रहो निरोग के संदेश के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल द्वारा ग्राम पंचायत चारभाठा स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में एक दिवसीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह राजपूत, वर्तमान मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास, महामंत्री नितेश भारद्वाज, कार्यक्रम संयोजक चंद्रहास गोस्वामी, पूर्व सरपंच गोलू पांडे, डॉ. सुरेश राजपूत, दानि सिंह राजपूत, ताराचंद जांगड़े, प्राचार्य नोहर प्रसाद साहू, ऋषि राजपूत, पोषण आचार्य, रोशन चेलक सहित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं सरस्वती शिशु मंदिर के बालक-बालिकाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। योग अभ्यास सत्र में योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया तथा योग के लाभों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जन में योग के प्रति जागरूकता लाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की जानकारी भाजपा ग्रामीण मंडल के महामंत्री चंद्रहास गोस्वामी द्वारा दी गई।

लापता बुजुर्ग को धमतरी पुलिस ने सुरक्षित किया बरामद

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी शहर के रामबाग, बैला बाजार के सामने निवासरत रामगोपाल प्रसाद शर्मा, उम्र लगभग 85 वर्ष, जो कि रिटायर्ड वेटनरी डॉक्टर हैं,जो तीन दिन पहले प्रात:काल मैरून रंग की जूपिटर स्कूटी से घर से निकले थे, जो लंबे समय तक घर वापस नहीं लौटे। परिजनों द्वारा चिंता व्यक्त किए जाने के उपरांत, धमतरी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए तलाश अभियान प्रारंभ किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों, सीसीटीवी फुटेज व आम नागरिकों की मदद से जानकारी जुटाई गई। पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ के चलते लापता बुजुर्ग श्री शर्मा जी को सकुशल खोज निकाला गया। उन्हें पुलिस टीम द्वारा परिजनों को सौंपा गया। परिजनों ने धमतरी पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार द्वारा आमजन से अपील की गई हैं कि यदि कोई भी व्यक्ति अपने आस-पास किसी बुजुर्ग या मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति को अकेले भटकते हुए देखे तो तुरंत नजदीकी थाना या डायल 112 या 100 नंबर पर सूचना दें।

सुपर 40 नि:शुल्क कोचिंग संस्था बागबाहरा ने फिर किया धमाल!

- प्रयास परीक्षा में 34 बच्चों ने मारी बाज़ी,नवोदय में 11 बच्चो का इस साल हुआ है चयन

बागबाहरा (समय दर्शन)। सुपर 40 संस्था बागबाहरा, जो नि:शुल्क कोचिंग के माध्यम से विकासखंड बागबाहरा के ग्रामीण प्रतिभाओं जिनमें अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,पिछड़ा वर्ग के नवोदय एवं प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करती है, ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है।

वर्ष 2018-19 से अब तक 300 से अधिक बच्चों का चयन संस्था द्वारा प्रत्यक्ष करवाया गया है। इस वर्ष 34 होनहार छात्रों ने प्रयास विद्यालय और 11 छात्रों ने इस वर्ष नवोदय की प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के बदौलत अपना स्थान बनाया है

इस वर्ष चयनित छात्रों की सूची:- प्रियंका साहू, राजीव साहू, आयुष कुर्रे, ईशांत साहू, ओमकार सेन, तनिष्ठा साहू, डी. स्वास्तिक, देवेंद्र पटेल, यामेश पटेल, फ्नीष साहू, , तुषार साहू, राहुल शबर, भूमिका दीवान, मनीष दीवान, कुमकुम घृतलहरे, शौभाग्या पांडे, रूखमणी ठाकुर, निवेश तांडे, गौरव कुमार दीवान, काजल दीवान, टोमिन साहू, गरिमा दीवान, चेमेश दीवान, तन्मय ठाकुर,भावना तांडी, चिराग साहू, खिलेश सुरमनी, आलिया भारद्वाज, भूमिका पटेल,खुशी साहू, प्रियमराज पटेल, वेदप्रकाश साहू, छाया बघेल, नीलम ध्रुव नवोदय में प्रतीक्षा सूची से दिव्या चंद्राकर और जीवेश साहू का चयन हुआ है ।सेवा,समर्पण और त्याग से अपनी बलवती इरादों को अंजाम दे रहे सेवाभावी शिक्षकों का समर्पण परिणाम दे रहा है।

संस्था का सामुदायिक योगदान और प्रशासनिक समर्थन भी उल्लेखनीय रहा।

बच्चो की इस उपलब्धि पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस.आलोक,जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा रेखराज शर्मा विकासखंड शिक्षा अधिकारी के के वर्मा, रामता मन्नाडे एबीईओ व भूपेश्वरी साहू बीआरसी,संकुल समन्वयको ने निरंतर सफलता को सराहा और कहा कि यह पहल विकासखंड व जिले के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्था इसी तरह अपनी गुणवत्ता बनाए रखेगी,उन्होंने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा करते हुए सभी शिक्षकों एवं संयोजकों को धन्यवाद दिया और इस कार्यक्रम को नियमित रूप से जारी रखने की प्रेरणा दी ।

इस तरह की गतिविधियाँ स्थानीय छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार करती हैं।

बच्चों की इस उपलब्धि पर संयोजक हीरासिंग नायक प्राचार्य सेजेस कोमाखान सहित शिक्षण टीम — कुलदीप साहू, अनिल कुमार चक्रधारी, केदारनाथ साहू, धीरज तिवारी, रश्मि शर्मा, जगदेव साहू, धनेश्वर साहू, सुभाष चंद्राकर, योगेंद्र चंद्राकर, महादेव देवांगन, छोटू निषाद, अश्वनी दीवान, लोकनाथ रैदास, राजेंद्र साहू, दौलत दीवान, रहमान खान और अन्य सहयोगी शिक्षकों ने विद्यार्थियों और उनके पालकों को शुभकामनाएं देते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सुपर 40 संस्था बागबाहरा की रविवार की नि:शुल्क कक्षाएँ और समर्पित प्रयास शिक्षा को प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी में उत्कृष्ट सहायता देते रहे हैं। यह निरंतर प्राप्त होती सफलता संस्था, छात्रों और पूरे समुदाय के लिए गर्व का विषय है।

प्राथमिक शाला लालमाटी के छत से बरामद हुई 15 नग सागौन की बल्लियां

- अवैध कटाई कर छुपाने का संदेह

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखंड पिथौरा के ग्राम लालमाटी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्कूल भवन की छत से 15 नग सागौन के बल्लियों की बरामदगी हुई है। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ पत्रकार कल्याण महासंघ के जिला उपाध्यक्ष इब्राहिम कादरी के नेतृत्व में सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, पंचों व ग्रामीणों की उपस्थिति में की गई।

सूत्रों के अनुसार जब टीम ने विद्यालय भवन का निरीक्षण किया, तब छत पर रखी गई सागौन की बल्लियां देखी गईं। पूछताछ में प्रधान पाठक संजय प्रधान, जो पिछले सात वर्षों से उसी स्कूल में पदस्थ हैं, ने जानकारी से अनभिज्ञता जताई। उन्होंने बताया कि, गर्मी की छुट्टियों के बाद अभी 4-5 दिन ही हुए हैं स्कूल खुले। मॉर्निंग शिफ्ट चल रही है, सुबह 7 से 11 बजे तक। मुझे नहीं मालूम ये बल्लियां कहां से आईं।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय परिसर के पीछे ही वन विभाग का कार्यालय है और कई बार उन्हें गेट लगाने की बात कह चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुरक्षा उपाय नहीं किया गया।

अवैध कटाई की आशंका- ग्रामीणों और सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी मीडिया टीम के साथ निरीक्षण के दौरान ही हुई। ग्रामवासी कौशल पटेल के अनुसार, गांव से लगे जंगलों में पिछले कुछ महीनों से लगभग 100 से 150 एकड़ क्षेत्रफल में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कर खेत बनाए जा रहे हैं।

वन विभाग की पंचनामा कार्रवाई- मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग की टीम ने सरपंच, पंच व ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर सागौन की बल्लियों को जब्त किया। ग्रामीणों की मांग है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो और जंगलों की अवैध कटाई पर सख्त रोक लगाई जाए।

ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन से मांग की है कि जंगलों की अवैध कटाई, वन विभाग की लापरवाही और स्कूल परिसर में बिना जानकारी रखी गई सागौन बल्लियों की सघन जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ग्राम पंचायत रामगढ़ में उत्साहपूर्वक आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत रामगढ़ में एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम योग से सह-अस्तित्व ङ्क शरीर, मन और पर्यावरण के समन्वय की ओर को आत्मसात करते हुए समस्त ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं एवं छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: सूर्य नमस्कार और ओंकार ध्वनि के साथ हुई। तत्पश्चात अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। सभी प्रतिभागियों ने तन-मन की शुद्धि और स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया।इस आयोजन में ग्राम पंचायत रामगढ़ के प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।महेंद्र यादव जनपद प्रतिनिधि प्रहलाद यादव सरपंच प्रतिनिधि रामकुमार साहू पंचायत सचिव महेश यादव पंच नीलू भास्कर पंच राजू यादव पंच राजेंद्र यादव पंच सुनील गंधर्व पंच इसके साथ ही क्षेत्रीय कार्यकर्ता एवं पंचायत सदस्यगण भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभागी बने। जनप्रतिनिधियों ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्यों में योग की भारतीय संस्कृति में भूमिका एवं वर्तमान जीवन में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए ।ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी एवं जनप्रतिनिधियों की सकारात्मक उपस्थिति के कारण यह आयोजन पूरी तरह सफल एवं प्रेरणादायक रहा। योग अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं।सामूहिक योग अभ्यास से जनजागरूकता का संचार। जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी सहभागिता।योग को जीवनशैली में अपनाने का आह्वान।

घोरारी में आबकारी, पुलिस और वन विभाग का संयुक्त कार्रवाई, 250 लीटर कच्ची शराब के साथ 5 हजार किलो महुआ बरामद

बलराम यादव

पाटन । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोरारी में आबकारी विभाग ने आज सुबह गश्त के दौरान अवैध महुआ शराब के निर्माण और भंडारण पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 लीटर तैयार शराब और 5000 किलो महुआ लाहन जब्त कर नष्ट किया। मौके पर बनाई गई 8 भट्टियों को भी नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े, कलेक्टर अभिजीत सिंह और सहायक आयुक्त आबकारी सी.आर. साहू के निर्देश पर की गई। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज ङ्क कार्रवाई के दौरान अवैध शराब बनाने वाले आरोपी खेत के रास्ते से फरार हो गए। उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण की जांच वृत्त प्रभारी अरविंद साहू द्वारा की जा रही है।

अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल लकड़ी भी जब्त- इस कार्रवाई में वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम ने भी सहयोग किया। अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त करीब 3 पिकअप जलाऊ लकड़ी को वन विभाग ने जब्त किया है। यह लकड़ी जंगल से अवैध रूप से लाई गई थी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की दृष्टि से भी गंभीर मामला है।

संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका- अभियान में आबकारी अधिकारी ईएसआई भूपेंद्र नेताम, ईएसआई अनामिका टोप्पो, ईएसआई कीर्ति ठाकुर, मुख्य आरक्षक संतोष दुबे, प्रह्लाद सिंह राजपूत, आरक्षक खुलदीप यादव, वाहन चालक नोहर और धनराज का विशेष योगदान रहा। साथ ही, वन विभाग से एसडीओ (एसीएफ) धनेश साहू व उनकी टीम और राजस्व विभाग की टीम ने भी मौके पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्थानीय प्रशासन की सख्ती जारी- कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी ऐसे कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी रहेंगे और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन,कहा-रक्त से रिश्ते जोड़ने की अनमोल पहल

पिथौरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा के पिथौरा में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर न सिर्फ एक जनसेवी आयोजन था, बल्कि यह मानवीय करुणा, समाजिक उत्तरदायित्व और युवाओं के समर्पण का जीवंत प्रतीक भी बना। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विधिवत पूजा-अर्चना और फीता काटकर किया।

रक्तदान सेवा नहीं, संवेदना है : अपने उद्बोधन में विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान केवल देह से दिया गया रक्त नहीं, यह दिल की गहराइयों से उपजा वह भाव है जो किसी अनजान को जीवन की डोर थमा सकता है। उन्होंने थैलीसीमिया व सिकल सेल जैसी बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की व्यथा को साझा करते हुए बताया कि समय पर रक्त न मिल पाने के कारण कितनी मासूम जिंदगियाँ खतरे में पड़ जाती हैं। उन्होंने कहा रक्तदान केवल एक सेवा नहीं बल्कि जीवन की लौ है । यह वह अमूल्य दान है जिससे किसी की सांस लौट सकते हैं कोई मैन फिर मुस्कुरा सकती है कोई बच्चा फिर से स्कूल जा सकता है ऐसे में यह शिविर उनके लिए आशा की एक किरण है।

उन्होंने मंच की सराहना करते हुए कहा, इस संस्था की यह पहल केवल रक्तदान नहीं, बल्कि समाज में सहृदयता, सहयोग और समर्पण का पुनर्जागरण है। ऐसे प्रयासों से ही हम एक सशक्त, संवेदनशील और जागरूक समाज की नींव रख सकते हैं।

सम्मान और प्रेरणा का संगम- इस अवसर पर रक्तदाताओं को मंच की ओर से प्रमाण-पत्र एवं हेलमेट प्रदान किए गए। विधायक डॉ. अग्रवाल ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक रक्तदाता को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

संगठन की सतत पहल- शिविर के संयोजक सौरभ अग्रवाल 'मोनू' ने जानकारी दी कि मारवाड़ी युवा मंच हर वर्ष दो प्रमुख रक्तदान शिविर आयोजित करता है। साथ ही, उनके समर्पित सदस्य हर पंद्रहवें दिन रक्तदान कर समाज में नि:स्वार्थ सेवा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

उन्होंने बताया कि शिविर का प्रमुख उद्देश्य 0 से 10 वर्ष की उम्र के उन बच्चों को नि:शुल्क रक्त उपलब्ध कराना है, जो थैलीसीमिया जैसी आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित हैं। नियमित रक्त की आवश्यकता पूरी न होने पर यह बीमारी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।

दूसरों के दर्द को जो महसूस करे, वही सच्चा इंसान है- शिविर के संयोजक सौरभ ने भावुक पंक्तियों के माध्यम से मानवता को पुकारते हुए कहा:

पहचाने दर्द कोई दूसरों का,
वही तो सच्चा इंसान है;

कोई छोटा-मोटा ये दान नहीं, रक्तदान तो सबसे महान है!- रक्त की कमी से कोई अपनो को न खोए:विधायक डॉ संपत अग्रवाल

इस अवसर पर विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने जनता से अपील करते हुए कहा कि रक्त की कमी से कोई अपनों को ना कोई लिए हम सब मिलकर संकल्प करते हैं कि रक्तदान जैसे महादान में हम सभी अपना योगदान है और सेवा में सहभागी बने।

जनभागीदारी से बना समाज सेवा का उत्सव- इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच पिथौरा के कार्यकर्ता सौरभ अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, श्रेयांश गोयल, अनमोल अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक संगठन और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

शिविर ने न केवल रक्त की आपूर्ति को सशक्त बनाया, बल्कि युवाओं के भीतर सेवा, संवेदना और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी प्रबल की।

हर बीमारी के इलाज के लिए योग में कोई न कोई उपयोगी आसन जरूर है

योग मानवता को भारत की अमूल्य देन, इस बार 'योग संगम-हरित योग' थीम:सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान कुनकुरी रेस्ट हाउस में चर्चा में कहा कि योग मानवता को भारत की अमूल्य देन है। योग हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर बीमारी के इलाज के लिए योग में कोई न कोई उपयोगी आसन जरूर है। यदि हम नियमित रूप से योग करें तो बीमारियों से बच सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योग को हमें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करने वाली एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रतिदिन थोड़ा समय योग को दें, तो दीर्घकालीन स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

हम सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आभारी हैं, जिन्होंने योग को वैश्विक

मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई। प्रधानमंत्री के प्रयासों से आज पूरी दुनिया योग की महत्ता को समझ रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री की ओर से योग दिवस का प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के बाद 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गये हैं, जिनमें आम नागरिकों से लेकर अधिकारी-कर्मचारी तक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि योग आज विश्व के सभी देशों में जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है।

राज्यभर में 'योग संगम-हरित योग' थीम पर आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ग्राम पंचायत स्तर पर इस बार ''योग संगम-हरित योग'' थीम पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री, उपमुख्यमंत्री द्वय, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण मुख्य अतिथि रहे। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में राजधानी रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले के रणजीता स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना से लौटी शिक्षा व्यवस्था में रौनक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निभाया वादा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बार फिर अपने कथनी और करनी में सामंजस्य का परिचय देते हुए ग्रामीण अंचलों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का वादा निभाया है। सुशासन तिहार के अवसर पर उन्होंने अचानक भरतपुर विकासखंड के ग्राम कुँवारपुर (माथमौर) में पहुँचकर जब ग्रामीणों से सीधा संवाद किया था, तब वहां की शालाओं में एकल शिक्षक व्यवस्था पर चिंता जताते हुए ग्रामीणों ने शिक्षकों की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही आश्वासन दिया था कि विद्यालय खुलते ही शिक्षकों की तैनाती की जाएगी।

मुख्यमंत्री के इस वादे को निभाते हुए शासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्राथमिक शाला तोजी, छपराटोला, दरीटोला और शिवटोला में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण नीति के तहत पदस्थापना कर दी गई है। इस निर्णय से इन विद्यालयों में अब नियमित शिक्षण कार्य प्रारंभ हो सकेगा और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर उस दिन ग्रामवासियों में गहरी प्रसन्नता और गर्व की लहर दौड़ गई थी। और अब जब विद्यालयों में शिक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं, तो ग्रामीणों ने इस त्वरित और संवेदनशील पहल पर मुख्यमंत्री श्री साय का हृदय से आभार प्रकट किया है। ग्राम पंचायत तोजी के उप सरपंच हीरालाल यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने इस कदम को ग्रामीण शिक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

'शिक्षा को प्राथमिकता, शासन की संवेदनशीलता का प्रतीक'– यह पदस्थापन केवल शिक्षकों की नियुक्ति भर नहीं है, बल्कि यह राज्य सरकार की उस नीति का हिस्सा है जो ष्हर स्कूल में शिक्षक, हर बच्चे को शिक्षाष् के संकल्प को साकार करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। शासन द्वारा युक्तिकरण नीति के अंतर्गत शिक्षक विहीन व एकल शिक्षक शालाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इस निर्णय से न केवल बच्चों को लाभ मिलेगा, बल्कि इससे अभिभावकों, ग्रामीण समाज और स्कूल के बीच विश्वास की डोर और मजबूत होगी। आने वाले समय में इन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति, परीक्षा परिणाम और शिक्षा की गुणवत्ता में भी स्पष्ट सुधार देखने को मिलेगा।

शेयर मार्केट में मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख की ठगी

रायपुर। शेयर मार्केट में मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमंत कुमार 46 वर्ष पीएम आवास आदर्श कालोनी पंडरी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी कुलदीप भतपहरी 35 वर्ष ने शेयर मार्केट पर निवेश करने से अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर 17 लाख रुपए ठग लिया और वापस नहीं किया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में ग्राम सेरीखेड़ी निवासी कामेश यादव 28 वर्ष ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीई 6423 को लाभांडी शराब भट्ठी के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं विकाश नगर राजेन्द्र नगर निवासी पवन कुमार साहू 30 वर्ष ने राजेन्द्र थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 05 एन 6114 को अमलीडीह रोड कृष्णापुरी के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह तीसरे मामले में सीता नगर गोगांव निवासीर लुकेश साहू 26 वर्ष ने गोलबाजार थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एलवाय 6108 को रविभवन के बेसमेंट पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

एसी के आउटर मशीन पार

रायपुर। श्रीजी बालाजी अमलीडीह स्थित घर से अज्ञात चोर ने आउटर मशीन पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी श्रीराम पांडेय 52 वर्ष श्रीजी बालाजी अमलीडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के घर में प्रवेश कर 2 नग एसीर के आउटर मशीन को पार कर दिया। चोरी गए मशीन की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। खरोरा पुलिस ने ग्राम माठ में दबिश देकर एक्टिवा से शराब तस्करी करते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 50 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार खरोरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम माठ में दबिश देकर एक्टिवा सवार आरोपी आर्यन ढीढी 21 वर्ष व एक अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 50 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गांजा के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई और गंज थाना पुलिस ने अवैध गांजा के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 23 किलो 115 गांजा, 4 नग मोबाइल और स्कूटी जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार खमतराई पुलिस ने रावाभाठा खेल मैदान में दबिश देकर आरोपी मन्नु सोनवानी 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 5 ग्राम गांजा जब्त किया है।

पढ़ाई केवल परीक्षा के लिए नहीं जीवन के लिए हो : बृजमोहन अग्रवाल

जे.आर दानी स्कूल में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2025 का आयोजन

रायपुर। रायपुर के स्वामी आत्मानंद शासकीय जगन्नाथ राव दानी कन्या उ.मा विद्यालय में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2025 का आयोजन किया गया 7 इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव मनाकर हम ऐसी पढ़ाई करें, की जीवन भर उत्सव मनाते रहे। उन्होंने कहा पहले पढ़ाई अच्छे परीक्षाफल के लिए होती थी, अब जीवन बनाने के लिए होती है। अब हर फील्ड में आगे बढ़ने की ज़रूरत है, नृत्य गायन खेल इत्यादि अपने पसंद के विषय मे पढ़ाई के साथ-साथ आगे बढ़ें। श्री अग्रवाल ने उत्कर्ष योजना की तारीफकरते हुए कहा कि शिक्षकों की भी ज़िम्मेदारी निर्धारित करना आवश्यक है ताकि हम बच्चों को कंपीटिटिव एग्जाम के हिसाब से तैयार करें। उन्होंने बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं लगाव पैदा करने हेतु स्कूल प्रांगण में पेड़ लगाने पर ज़ोर दिया। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दानी स्कूल में बिताए अपने बचपन की बहुत सी यादों को ताजा किया। उन्होंने कहा कि पहले सुविधाएं कम थी, लेकिन मोबाइल और सोशल मीडिया जैसे आकर्षण भी कम थे। आज छात्रों के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखना ज्यादा मुश्किल है लेकिन अपने शौक पूरे करने के साथ ही पढ़ाई करना भी आवश्यक है। श्रीमती चौबे ने उत्कर्ष योजना की तारीफ करते हुए कहा कि सबका आंकलन होना चाहिए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि आज छात्र नए वर्ष में प्रवेश कर रहें हैं, इसे उत्सव की तरह मनाए। पठन-पाठन के साथ साल का अंत भी उत्सव की तरह हो। डॉ. सिंह ने शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा एक सामान्य व्यक्ति को विशिष्ट बना सकती है। ज़िले के पिछले वर्ष के परीक्षाफल का आंकलन करते हुए उन्होंने खामियों का आंकलन कर इस शिक्षण सत्र में बेहतर रिजल्ट हेतु सभी को प्रेरित किया। डॉ. सिंह ने इस सत्र से शुरू हो रहे प्रोजेक्ट उत्कर्ष की भी जानकारी दी जिसके अंतर्गत हर महीने बच्चों के साथ ही टीचर्स का भी आंकलन होगा, शिक्षकों का मूल्यांकन उनके कक्षा एवं विषय के बच्चों के परीक्षाफल के आधार पर किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी बड़ी है क्योंकि वें देश का भविष्य निर्धारित कर रहें हैं।

सरगुजा संभाग में भारी बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। आज शनिवार को सरगुजा संभाग के जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के अनेक जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं 22 जून रविवार से मौसम में बदलाव हो सकती है। पूरे राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

मानसून के आगमन से प्रदेश में गरज चमक के साथ बारिश और वज्रपात की गतिविधियां तेज हो गई है। हालांकि अब धमी होने की संभावना है। आज शनिवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अनेक हिस्सों में सुबह से ही बादल हुए हैं। साथ ही बारिश की स्थिति बनी हुई है। दोपहर या शाम के समय बारिश होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम एक्सपर्ट ने

बताया कि 21 जून को सरगुजा संभाग के जिलों में एक दो जगहों पर भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही बिलासपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान छत्तीसगढ़ के अधिकांश जगहों पर मध्यम बारिश दर्ज की गई है। साथ ही एक दो जगहों पर भारी बारिश हुई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दुर्ग में 32.4 डिग्री सेल्सियस रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान दुर्ग और राजनांदगांव में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एचएसआरपी आर्डर की संख्या दोगुनी करने के निर्देश

वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं लगाने पर पुलिस एवं प्रवर्तन अमले के द्वारा होगी चालानी कार्रवाई

रायपुर। सचिव सह परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के अनुबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि एवं समस्त परिवहन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव सह परिवहन आयुक्त एस.प्रकाश द्वारा बिना एचएसआरपी वाले वाहनों पर सख्त चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सचिव परिवहन एस. प्रकाश ने एचएसआरपी आर्डर में कमी आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त परिवहन अधिकारियों को पुलिस प्रशासन से समन्वय कर संयुक्त जांच अभियान चलाने और चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी, जशपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, बैकुण्ठपुर, रायपुर, बिलासपुर जिलों के परिवहन अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की और आगामी दिनों में एचएसआरपी आर्डर की संख्या दोगुनी करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में समस्त परिवहन अधिकारियों को एचएसआरपी वेंडर से समन्वय कर तहसील मुख्यालय, ग्रामीण कस्बों एवं भीड़ वाले जगहों जैसे-इंडस्ट्रियल, एजुकेशन इंस्टीट्यूट क्षेत्रों में लगातार कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिए गए। परिवहन सचिव सह आयुक्त ने दुर्ग जिला अंतर्गत भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) में कार्यरत कर्मचारियों के स्टॉफ पार्किंग में कैम्प आयोजित करने हेतु क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, दुर्ग को निर्देशित किया गया। साथ ही एचएसआरपी लगाने एवं नियम / अधिनियम की जानकारी हेतु लोगों में जागरूकता लाने पेट्रोल पंप या अन्य भीड़ वालें स्थानों पर बैनर / पोस्टर के माध्यम से जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देश दिया गया कि अनुबंधित कम्पनियां जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील मुख्यालय में भी कंपनी द्वारा संचालित स्थायी फिटमेंट सेंटर स्थापित करने के साथ मैनपॉवर भी बढ़ाएं। इसके अतिरिक्त समस्त परिवहन अधिकारियों को समस्त फिटमेंट सेंटरों का लगातार भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। आगामी सप्ताह में पुन: समीक्षा बैठक ली जावेगी।

आधार से सध रहा है सुशासन और डिजिटल गवर्नेंस का लक्ष्य : निहारिका बारिक सिंह

आईटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है छत्तीसगढ़: भुवनेश कुमार

रायपुर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद द्वारा आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में आधार से अधिकतम लाभ प्राप्त करना विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में आधार के व्यापक और प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना है। साथ ही आधार की उपयोगिता को जन-कल्याण की योजनाओं से जोड़ते हुए अधिक पारदर्शी एवं डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में आगे बढ़ना है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन मुख्य सचिव अमिताभ जैन के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भुवनेश कुमार ने कहा कि आई.टी. के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तीव्र गति से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 140 करोड़ आधार बने हैं,

जिसकी सहायता से हितग्राहियों को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आधार आम नागरिकों की प्रगति का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा आधार एनरोलमेंट और अपडेशन के लिए नवाचार का उपयोग कर नया साफ्टवेयर बना कर पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है, ताकि आधार बनाने की प्रक्रिया में होने वाली दिक्कत की आशंका को कम किया जा सके। आधार को और अधिक विश्वसनीय एवं प्रभावी बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, पासपोर्ट, मनरेगा, पी.डी.एस. आदि अनेक सेवाओं से इन्टीग्रेट किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने कहा कि आधार से सुशासन और डिजिटल गवर्नेंस का लक्ष्य साधने में मदद मिल रही है। आधार, भारत का सबसे परिवर्तनकारी डिजिटल पहचान मंच बन चुका है, जिसकी सहायता से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने आधार की भूमिका को समावेशी, पारदर्शी और उत्तरदायी शासन की नींव बताते हुए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं सहित कई सेवाओं में आधार का सफल इंटीग्रेशन किया है। इसके अलावा, ई-डिस्ट्रिक्ट, लोक सेवा गारंटी और राज्य डी.बी.टी. पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों में आधार की भूमिका को और अधिक सशक्त किया जा रहा है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए रीजनल ऑफिस हैदराबाद की डिप्टी डायरेक्टर जनरल श्रीमती पी. संगीता ने बताया कि आधार पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व परिवर्तन से गुजर चुका है। यह अब सिर्फ 12 अंकों की संख्या नहीं रह गया है, बल्कि यह एक समग्र सुशासन और डिजिटल भारत की आधारभूत संरचना बन चुका है। आधार से संबंधित नियम और नीतियों में समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिसे सभी हितधारकों के साथ साझा किया जाता है। यूआईडीएआई मुख्यालय के डीडीजी विवेक चंद्र वर्मा एवं विनोद कुमार सिंह ने कार्यशाला में आधार उपयोग में हाल के समय में की जा रही है पहल पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आधार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत लाभ वितरण, प्रमाणीकरण सुविधाएं और आधार सक्षम भुगतान प्रणाली की जानकारी दी। कार्यशाला में यूआईडीएआई मुख्यालय के निदेशक कर्नल निखिल सिन्हा ने नामांकन एवं अद्यतन पारिस्थितिकी तंत्र में हाल के समय में विकास और नई नीतियां विषय पर प्रस्तुति दी।

संपादकीय

गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली

भारत में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से एक दशक में तेजी से घट कर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत रह गई। यह जानकारी विश्व बैंक की एक रिपोर्ट से मिली है। हालांकि विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा की सीमा को संशोधित करके तीन डॉलर प्रति दिन कर दिया है। बेशक, यह रिपोर्ट हौसला देती है। खासकर मौजूदा वैश्विक के मद्देनजर किसी भी देश के लिए इस प्रकार का आकलन खासा उत्साहवर्धक होता है। भारत विकासशील देश है, और अपनी आयोजना में शुरू से से ही गरीबी उन्मूलन का प्राथमिकता देता रहा है। गरीबी से अपने लोगों को उबारने के लिए पंचवर्षीय योजनाएं शुरू की गई ताकि आम जन के आर्थिक हालात बेहतर से बेहतर हो सकें। सत्तर के दशक में 'गरीबी हटाओ' का नारा देकर चुनाव तक लड़ा गया। जीता भी गया। बेशक, सरकार की तमाम प्राथमिकताओं और चिंताओं के केंद्र में गरीबी उन्मूलन रहा है। इसके नतीजे भी अच्छे मिले, लेकिन कुछ समस्याएं बराबर बनी रहीं जिनके चलते गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका। एक तो यह हुआ की आर्थिक विकास के लाभ कुछ वर्गो तक ही सीमित रह गए। इसके चलते आर्थिक असमानता की समस्या उभरी जिससे पार पाने के लिए आज जूझना पड़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली है। इस बात की ताकीद शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसे मानकों में देश के बेहतर प्रदर्शन से होती है। गरीबी कम करने में हम कमजोर नहीं पड़े हैं। और अब तो विश्व बैंक भी इसकी तस्दीक कर रहा है। विश्व बैंक ने अप्रैल में भारत पर अपने 'गरीबी और समानता संक्षिप्त' में कहा था कि अत्यधिक गरीबी (प्रति दिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन) 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घट क 2022-23 में 2.3 प्रतिशत हो गई जिससे 17.1 करोड़ लोग इस रेखा से ऊपर आ गए। बेशक, गरीबी उन्मूलन के प्रयास आजाद भारत के किसी भी कालखंड में शिथिल नहीं पड़ने पाए हैं, लेकिन बहुत कुछ वैश्विक हालात पर निर्भर करता है। वैश्विक जोखिम आज कहीं ज्यादा नकारात्मक हैं। अमेरिका जैसे देशों में नीतिगत बदलाव, कई देशों में युद्ध के हालात ने वैश्विक परिदृश्य को तनावपूर्ण बना दिया है। लेकिन अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक इतने मजबूत हैं कि भारत अपने लोगों के हालात बेहतर करने में जरूर सफल होगा।

अतीत में अनेक चुनाव धांधली से जीते

अवधेश कुमार

एक दृश्य की कल्पना करिये। अगर भारत की छवि ऐसी बन जाए कि यहां सरकार संविधान को ताक पर रख अपने अनुसार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती है, आयोग फर्जी तरीके से मतदाता सूची बनाता है, मतदान के आंकड़े गलत जारी करता है तथा सरकार के पक्ष में मतदान परिणाम लाता है तो क्या होगा? यानी पूरी सरकार अनैतिक है जो धांधली के आधार पर संवैधानिक शक्तियों और संस्थाओं का दुरुपयोग करते हुए सत्ता में बनी हुई है। एक देश के रूप में भारत की साख को नष्ट करने का इससे गंदा अभियान कुछ नहीं हो सकता। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अनेक नेता, एक्टिविस्ट मीडिया के कुछ चेहरे लंबे समय से यही अभियान चला रहे हैं। इसके साथ न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को भी इसी तरह संदिग्ध बनाने की रणनीति साफ दिखाई देती है। इन सबके लिए सुविधाओं के अनुसार एकपक्षीय तथ्य और आंकड़े दिए जाते हैं। राहुल गांधी ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट बताते हुए लिखा है कि यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भारतीय भाजपा हार रही होगी। 'अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें = महाराष्ट्र समेत सभी राज्यों के लोक सभा और विधानसभाओं के हाल में हुए चुनाव के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करें और महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों से शाम पांच बजे के बाद की सभी सीसीटीवी फुटेज जारी करें। पहली बार पढ़ने पर अवश्य इसमें सनसनाहट पैदा होती है। किंतु चुनाव प्रक्रिया में निचले स्तर भी जुड़ी राजनीति के साधारण व्यक्ति के गले कोई बात नहीं उतरेगी। वैसे ये आरोप नये नहीं हैं। पिछले वर्ष भी चुनाव आयोग ने ऐसे आरोपों का उत्तर दिया था। जिन्हें तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं और संपूर्ण भारत की सत्ता को फासिस्ट, अनैतिक और सारी लोकतांत्रिक संस्थाओं का दमन कर कब्जा करने वाला साबित कर विश्व भर में बदनाम करने का जिनका सपना हो वे ऐसे ही खंडित हो चुके आरोपों को बार-बार दोहराएंगे। निर्वाचन आयोग ने छह राष्ट्रीय पार्टियों से बातचीत के लिए अलग-अलग आमंत्रित किया था। कांग्रेस को छोड़कर शेष सभी चुनाव अधिकारियों से मिले, अपना पक्ष रखा तथा उत्तर सुना। केवल कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा 15 मई को प्रस्तावित बैठक में भाग नहीं लिया था। चुनाव आयोग शायद फिर देश के सामने तथ्य रखे। मीडिया में आयोग के हवाले से जो वक्तव्य आया है उसमें कहां गया है कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। यह सही है कि देश में चुनावी प्रक्रिया में जितनी संख्या में सरकारी कर्मचारी, गैर सरकारी संस्थाएं, राजनीतिक दल , पत्रकार, आम लोग लगते हैं ऐसे बयान उन सबके परिश्रम को निष्फल करने वाला तथा उनके अंदर गुस्सा और निराशा पैदा करना है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों पर ही एकपक्षीय अभियान चल रहा है। स्वतंत्रता के बाद से केंद्र सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करती रही है। इसके विपरीत राहुल और विरोधी ऐसी छवि बना रहे हैं मानो पहले नियुक्ति दूसरे तरीके से होती थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने उसे पलट दिया है। सच यह है कि इसमें विपक्ष के नेता का प्रावधान डालकर ज्यादा विमर्शमूलक बनाया गया है।

आखिर कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते के वैश्विक मायने क्या हैं?

कमलेश पांडे

कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते दोनों देशों के लिए परस्पर लाभदायी हो सकते हैं, क्योंकि दोनों देश अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय महाशक्ति के निशाने पर हैं। एक ओर जहां कनाडा को अमेरिका अपने राज्य में मिलाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर भारत को अमेरिका विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नीचा दिखाना चाहता है, ताकि उसकी वैश्विक दादागिरी बरकरार रहे। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में एक नया मोड़ आ गया है और लगभग दो साल की तनातनी के बाद, कनाडा ने एक बड़ा खुलासा किया है। कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस ने स्वीकार किया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथी (आतंकवादी) भारत के खिलाफ हिंसा, प्रचार और फंड इकट्ठा करने के लिए उसकी धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी (अलगाववादी) कनाडा से भारत के खिलाफगतिविधियां चला रहे हैं। साल 1980 के दशक से ही कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों (ष्ट्क्र्यश्व) ने हिंसक तरीके से पंजाब में एक स्वतंत्र सिख राज्य बनाने के लिए अभियान चलाया है।

इस रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का भी जिक्र है। जिससे भारत के उस दावे को बल मिला है, जिसमें वह कहता रहा है कि कनाडा आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। ष्टस्ढ्ढस् ने यह खुलासा किया कि पाकिस्तान, कनाडा में भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत है। इससे यह साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दरअसल, यह बात तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की गत दिनों कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई और आपसी द्विपक्षीय रिश्तों को पुन: पटरी पर लाने के लिए बहुत ही सकारात्मक माहौल में बात हुई।

इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात को 'आधारभूत' बताया था। इसका मतलब है कि दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हालांकि, भारत पिछली बातों को भूलने वाला नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच में कई रणनीतिक करार भी किये गए हैं, ताकि आपसी भरोसा और कारोबार दोनों बढ़े। इस हेतु राजदूतों की भी नियुक्ति कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को सही ठहराया है। बहरहाल, सीएसआईएस ने भी यह मान लिया है कि पाकिस्तान, कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ जारी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

बता दें कि पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान खालिस्तानी समूहों ने उनको लेकर धमकियां देने तक की हिमाकत की थी।

ऐसे में सीधा सवाल उठता है कि क्या बिना कनाडा में उनसे सहानुभूति रखने वालों के शह और पाकिस्तान की बैंकिंग के वह इतनी हिम्मत कभी जुटा पाते? इसलिए पूरक प्रश्न यही है कि जब कनाडा ने मान लिया कि पाकिस्तान-खालिस्तानियों की जुगलबंदी से उसकी धरती से भारत के खिलाफ हिंसक साजिशों को अंजाम दिया जा रहा है तो फिर उससे भारत क्या उम्मीदें कर सकता है? यही न कि कनाडा आतंकवादियों को भारत के हवाले करे, खालिस्तानी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करे और अलगाववाद को आतंकवाद माने।

वहीं, इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, भारतीय अधिकारी जिनमें उनके कनाडा स्थित प्रॉक्सी एजेंट भी शामिल हैं, वे कई तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। उनका उद्देश्य कनाडाई समुदायों और राजनेताओं को प्रभावित करना है। इसमें दावा किया गया है कि जब ये गतिविधियां भ्रामक, गुप्त या धमकी देने वाली होती हैं, तो उन्हें विदेशी हस्तक्षेप माना जाता है। हालांकि, भारत पहले से ही कनाडाई अधिकारियों की ओर से लगाए जाने वाले इस तरह के आरोपों को खारिज करता रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा के लिए सबसे बड़ा खुफिया खतरा चीन है। रिपोर्ट में इसके अलावा पाकिस्तान, रूस और ईरान का भी नाम लिया गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हरदीप सिंह निज्जर मामले से भारत सरकार और आपराधिक नेटवर्क के बीच संबंधों का पता चला है। इसमें कहा गया कि खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा में भारतीय विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने निज्जर की मौत में अपनी संलिप्तता से साफ इनकार किया है और कनाडा की ओर से लगाए गए हस्तक्षेप के आरोपों को भी खारिज किया है।

बता दें कि साल 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में तीखी तनातनी देखी गई थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था। भारत ने इसके जवाब में कनाडा पर खालिस्तानी चरमपंथियों को पनाह देने और उनकी गतिविधियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

यक्ष प्रश्न है कि अब पाकिस्तान के साथ खालिस्तानियों की जुगलबंदी का क्या होगा, क्योंकि आतंकवाद पर कनाडा के कबूलनामे को भारत की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में बदलाव आया है, इससे खालिस्तानियों की बेचैनी बढ़ जाएगी। क्योंकि भारत ने कनाडा से साफ कहा है कि वह आतंकवादियों को सौंपे और खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करे। भारत ने 26 आतंकवादियों को सौंपने के लिए कहा है, जिनमें से सिर्फ5 पर ही कार्रवाई हुई है।

उम्मीद है कि इस मामले में कनाडा अब कार्रवाई करके दिखाएगा। इनमें अर्श डल्ला का मामला भी शामिल है, जिस पर भारत में 50 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। डल्ला को कनाडा की अदालत ने जमानत भी दे दी थी। भारत ने कनाडा से यह भी कहा है कि वह भगोड़ों को गिरफ्तार करे और रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई करे। लेकिन, कई मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे भारत नाराज है।

हालांकि, कार्नी के लिए यह मुश्किल है कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों को नाराज किए बगैर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करें। कारण कि वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन (ड्ब्स्ह्) जैसे संगठन कनाडा में काफी प्रभावशाली हैं। इसलिए, कनाडा के लिए आतंकवादियों पर कार्रवाई करना उतना आसान भी नहीं है। जस्टिन ट्रुडो की सरकार में तो इसीलिए ऐसे भारत-विरोधी संगठन पूरी तरह से हावी हो चुके थे। हालांकि, राजनीतिक रूप से कार्नी उनको लेकर इतने मोहताज भी नहीं हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि भारतीय मूल के कनाडाई अलगाववादी वहां बहुत बड़े वोट बैंक बन चुके हैं। फिर भी, उम्मीद की किरण बची हुई है। क्योंकि दोनों देश आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर बात कर रहे हैं।

दरअसल, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का संदेश साफहै, 'अब और ज्यादा दोहरा रवैया किसी भी देश का नहीं चलेगा।' भले ही कनाडा उदारवाद और बोलने की आजादी की बात करता है, लेकिन भारत के खिलाफहिंसा करने वालों पर आंखें भी मूंदे नहीं रह सकता। यही वजह है कि कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात खत्म होते ही कहा, 'अभी बहुत काम करना बाकी है।' भारत के लिए यह एक बड़ी जीत है कि दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात के बाद ही कनाडा की खुफिया एजेंसी भी अब भारत के दावों को स्वीकारने लगी है। एक तरह से यह कहा जा सकता है कि यह खालिस्तान समस्या का अंत तो नहीं है, लेकिन कनाडा की धरती पर इसकी शुरुआत हो चुकी है।

स्पष्ट है कि यदि आप अमेरिका को कमजोर करना चाहते हैं तो कनाडा में आपकी स्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत होनी चाहिए। इससे आप अमेरिका की विभिन्न गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे, लेकिन ऐसा आप खुल्लमखुल्ला नहीं कर सकते! बल्कि छिपे रुस्तम के तौर पर ही कर सकते हैं। प्राय: ऐसी घाती-प्रतिघाती रणनीति दुनिया के परस्पर प्रतिस्पर्धी देश अपने जासूसों और उनके नेटवर्क में शामिल लोगों के मार्फत बनाते-बनवाते ही रहते हैं। कुछ यही वजह है कि अमेरिका के प्रबल प्रतिद्वंद्वी देशों यथा- चीन, रूस, भारत, ईरान आदि देशों की अभिरुचि कनाडा में बढ़ चुकी है। हालांकि, कनाडा सरकार इससे सावधान भी है।

स्पष्ट है कि भारत और कनाडा के बीच बदलते रिश्तों से निम्नलिखित पांच बातें स्पष्ट होती दिखाई दे रही हैं, जिनके अपने वैश्विक मायने हैं। पहला, कनाडा की खुफिया एजेंसी (ष्टस्ढ्ढस्) ने माना है कि खालिस्तानी चरमपंथी कनाडा की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफहिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं। दूसरा, सिख अलगाववादी समूहों की धमकियों के बावजूद, पीएम नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई, जो धमकियों पर कूटनीति की जीत करार दी जा सकती है। तीसरा, कनाडा की खुफिया रिपोर्ट में पाकिस्तान पर भी भारत-विरोधी एजेंडे में शामिल होने का आरोप लगाया गया है, जिससे पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हुआ है। चतुर्थ, मोदी (भारत) और कार्नी (कनाडा) की मुलाकात को रिश्तों में सुधार के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन भारत को सिर्फबातों से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई से मतलब है। इससे साफ है कि दोनों देशों के रिश्ते में एक नई शुरुआत हुई है, लेकिन अनुभवजन्य शर्तों के साथ, यह बहुत बड़ी बात है।

समय ही बताएगा संन्यास ले लेंगे या फिर सर्वोच्चता बरकरार रखेंगे

डॉ. घनश्याम बादल

वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2025 को 11 साल पूरे कर लिए थे, लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ उन्होंने 9 जून 2024 को ली इसलिए उनके तीसरे कार्यकाल की सरकार की वर्षगांठ 9 जून 2025 को मनाई गई।

यदि कार्यकाल की दृष्टि से देखें तो नरेंद्र दामोदर दास मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। वहीं कार्यकाल की दृष्टि से वें तीसरे स्थान पर हैं और उनसे ऊपर केवल जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का कार्यकाल रहा है।

वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी सफलतापूर्वक पूरा करते दिखाई देते हैं तब वह कार्यकाल की दृष्टि से अपने इसी कार्यकाल में दूसरे स्थान पर आ जाएंगे। यदि मोदी का एक प्रधानमंत्री की दृष्टि से एक विवेचन किया जाए तो प्रधानमंत्री एवं सरकार के मुखिया के रूप में उनकी खूबियां और खामियां दोनों ही सामने आती हैं। 26 मई 2014 को पहली बार सांसद चुने जाने के बाद ही वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए जैसे पहली बार विधायक चुने जाने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे।

अपने विशिष्ट अंदाज में उन्होंने संसद भवन की ड्योढ़ी पर माथा टेककर संसद में प्रवेश किया तो भावुक देश को बहुत आशाएं जगी थी। अपने पहले भाषण में भी मोदी ने देश को चुनाव में 'अच्छे दिनों' के वादे को पूरा करने का विश्वास दिलाया। साथ ही 'सबका साथ सबका विकास' का नारा देकर सारी राजनीतिक का कटुता भुलाकर देश के सर्वांगीण विकास की बात की और खुद को प्रधानमंत्री के बजाय 'प्रधान सेवक' की संज्ञा दी तथा कहा कि वह एक शासक नहीं बल्कि 'चौकीदार' के रूप में देश के हितों की रक्षा करेंगे।

मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए।

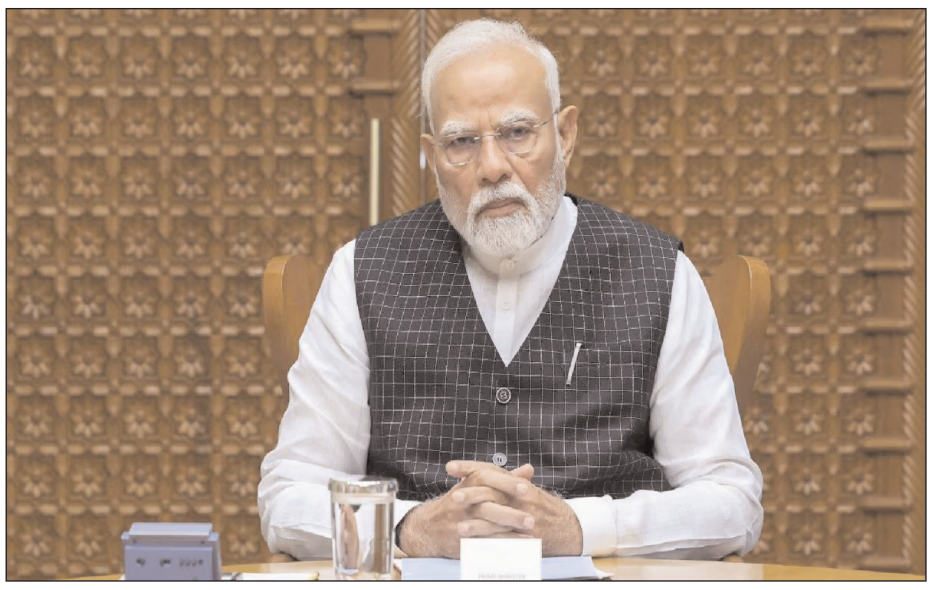

मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए।

और बचकाने शब्दों 'चौकीदार ही चोर है' या 'खून का सौदागर' कहकर राहुल और उनकी मां सोनिया दोनों फंसे रहे। ऐसा नहीं कि मोदी का यह कार्यकाल एकदम सफल ही रहा उसमें विपक्ष को आलोचना का भी पूरा मौका मिला। उनके 'अच्छे दिन' और 15 लाख रुपये हर भारतीय के खाते में आने की खूब मजाक बनी जिसे बाद में अमित शाह ने एक 'चुनावी जुमला' करार देकर जान छुड़ाई। उनका नोटबंदी से कालाधन व आतंकवाद नियंत्रण का पासा भी उल्टा पड़ा। 2019 में जब लोक सभा चुनाव की घोषणा की गई राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि आएंगे तो मोदी ही पर उनकी चमक और धमक दोनों कम होगी, लेकिन 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'इस बार 300 पार' का नारा खूब चला और भारतीय जनता पार्टी को पहली बार अपने ही बलबूते पर बहुमत मिला।

एनडीए की 353 सीटों उसका हिस्सा 303 पर पहुंच गया जो एक बड़ी उपलब्धि थी। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी का आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आया। धारा 370 हटा दी गई, राम मंदिर का शिलापूजन हो गया, नागरिकता कानून संशोधन पास हो गया, पुलवामा में हुए हमले के बाद उन्होंने एक बार फिर पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने का साहस दिखाया, कृषि कानून, कोविड वैक्सीन मुफ्त राशन, मोबाइल अस्पताल और ताली थाली दीप आदि ने मोदी की लोकप्रियता को और भी बढ़ाया, लेकिन कोविड की दूसरी लहर में सारी व्यवस्था चरमरा गई लाखों मौत हुई, वैक्सीन बनाने में मानकों की अनदेखी महंगी पड़ी जो आज तक संदेह पैदा करती है। कृषि कानून, पर उन्हें यू टर्न लेना पड़ा बेरोजगारी व महंगाई बेकाबू हो गई दूसरे कार्यकाल में सरकार ने सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्षियों को घेरने और कुचलने में किया।

उन पर बड़बोलेपन का आरोप तो खैर अब तक लगता है। 2024 के चुनाव में भी मोदी 'वन मैन आर्मी' की तरह लड़े और तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा को सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में वापस लाने में कामयाब रहे भले ही सीटों की संख्या 303 से गिरकर केवल 240 रह गई। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह का स्टैंड उन्होंने लिया उसकी उम्मीद पाकिस्तान को भी नहीं थी। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने पाकिस्तान को गहरी चोट और सबक दिए हैं। हालांकि एकाएक किए गए युद्ध विराम ने मोदी सरकार को को सवालों ने घेर लिया है। राजनीति बहुत सारी करवटें लेगी। यह तो समय ही बताएगा कि 75 साल के होने जा रहे मोदी आदशरे के नाम पर संन्यास ले लेंगे या फिर कोई नया जुमला उछाल कर अपनी सर्वोच्चता बरकरार रखेंगे।

वास्तु के अनुसार इन 5 चीजों का दिखना होता है शुभ शगुन

वास्तु के अनुसार, व्यक्ति को कुछ चीजों का दिखना अत्यंत शुभ होता है। वास्तु शास्त्र कहता है कि इन चीजों को देखना शुभ शगुन होता है। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है और कार्यों में सफलता मिलती है।

वास्तु शास्त्र कहता है कि जब किसी व्यक्ति के जीवन में कुछ अच्छा घटने वाला होता है, तो उसे शुभ संकेत दिखने लगते हैं। वास्तु में कुछ चीजों का दिखना शुभ संकेत माना गया है। मान्यता है कि इन चीजों के दिखने से जीवन में आर्थिक संपन्नता व खुशहाली आती है। कार्यों की बाधाएं खत्म होती हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानें वास्तु के अनुसार शुभ शगुन क्या होते हैं और इन्हें कैसे पहचानते हैं?

नीलकंठ पक्षी का दिखना

वास्तु के अनुसार, अगर किसी यात्रा में बाहर जा रहे हों तो नीलकंठ पक्षी का दिखना शुभ होता है। मान्यता है कि इससे कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होती है और सफलता मिलती है।

घर के मंदिर में सुगंध आना

वास्तु के अनुसार, घर के मंदिर में सुगंध आना शुभ शगुन होता है। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। परिवार के सदस्यों की सेहत अच्छी रहती है।

सपने में भगवान का मंदिर या मूर्ति दिखना

वास्तु के अनुसार, सपने में भगवान का मंदिर या मूर्ति दिखाई देना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और करियर में तरक्की मिलती है।

पूजा करते समय घर के द्वार पर गाय आना

वास्तु के अनुसार, पूजा करते समय घर के द्वार पर गाय या किसी भिक्षुक का आना शुभ होता है। द्वार पर आए गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी सामर्थ्यनुसार कुछ न कुछ अवश्य देना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं और तरक्की के रास्ते खुलते हैं।

ऐसी स्त्री का दिखना जिसकी गोद में बच्चा हो

वास्तु के अनुसार, यात्रा या किसी शुभ कार्य के लिए जाते हुए किसी ऐसी स्त्री का दिखना, जिसकी गोद में बच्चा हो तो शुभ होता है। मान्यता है कि इससे यात्रा शुभ फलदायी सिद्ध होती है।

हथेली की ये रेखा देती हैं लव लाइफ से जुड़े संकेत

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली की रेखाओं से जीवन से जुड़े कई पहलुओं का पता चलता है, जिसमें एक है लव लाइफ। बहुत सारे लोगों के मन में प्रश्न रहता है कि उनकी लव लाइफ कैसी रहेगी। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि हाथ की किस रेखा को देखकर वैवाहिक जीवन की जानकारी मिलती है और पता चलता है कि प्यार परवान चढ़ेगा या रिश्ता टूट जाएगा।

▸▸ हाथ में कहां होती है विवाह रेखाएं- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार प्रेम व विवाह रेखाएं हाथ की सबसे छोटी उंगली यानी कनिष्ठा के नीचे होती हैं। ये रेखाएं हथेली के बाहर से अंदर की ओर आती हैं। ये बहुत ज्यादा लंबी नहीं होती हैं। कुछ लोगों के हाथ में ये रेखाएं तीन या चार भी हो सकती हैं।

▸▸ जानें किन लोगों को मिलती है प्यार में सफलता- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर हथेली में प्रेम या विवाह रेखा स्पष्ट व लंबी होती है और रिंग फिंगर के नीचे वाली रेखा (सूर्य रेखा) को छूती है। तो माना जाता है कि ऐसे लोगों को प्यार में सफलता मिलती है। ऐसे लोग लव मैरिज कर पाने में भी सफल हो सकते हैं।

▸▸ विवाह रेखा का कटा होना - अगर विवाह रेखा यानी छोटी उंगली के नीचे बाहर से अंदर आ रही रेखाएं कटी हुई होती हैं, तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। कहते हैं कि ऐसे लोगों को प्यार में धोखा मिलने की आशंका रहती है। ऐसे लोगों को प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। अगर विवाह रेखा साफ व स्पष्ट होती हैं तो रिश्ता मजबूत होता है।

▸▸ विवाह रेखा का दो भागों में बंटा होना - अगर हथेली पर बनने वाली विवाह रेखा दो भागों में बंटी होती है, तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसे लोगों को वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

गूंथा आटा सॉफ्ट और फ्रेश रखने का तरीका

भा गदौड़ भरी लाइफ में काफी सारी महिलाएं आटे को गूंथकर फ्रिज में स्टोर करती हैं, लेकिन फ्रिज से निकालने के बाद ना केवल आटा काफी ज्यादा कड़ा रहता है बल्कि इसकी रोटियां भी काली बनती है। जो दिखने में अच्छी नहीं लगती। ऐसे में कुछ महिलाएं फ्रिज में आटा रखना अवॉएड कर देती हैं। लेकिन अगर आप अपनी बिजी लाइफ में काम को आसान बनाना चाहती हैं और गूंथे हु आटे को सॉफ्ट के साथ ही काला होने से रोकना चाहती हैं तो इस टिप्स की मदद से रखें। साथ ही इस टॉप सीक्रेट को जान लें जिससे आपका आटा कभी भी काला नहीं पड़ेगा।

गूंथे आटे को रखने का तरीका
लगाएं ऑयल गूंथे आटे को जब भी स्टोर करके रखना हो तो गूंथने के बाद आटे पर तेल जरूर लगा दें। तेल की परत आटे को काला होने और साथ ही कड़ा होने से रोकेगी।

एयर टाइट कंटेनर में रखें
जब भी गूंथे आटे को डिब्बे में रखना हो तो हमेशा एयर टाइट कंटेनर में रखें। जिससे कि आटे में फ्रिज की ठंडी हवा ना घुसें। ऐसा करने से आटा ना केवल कड़ा होने से बचा रहता है बल्कि काला भी नहीं पड़ता।

ज्यादा मुलायम आटा ना गूंथे
रोटी के लिए गूंथकर आटा फ्रिज में रखना है तो उसे ना ज्यादा कड़ा गूंथे और ना ही ज्यादा मुलायम। क्योंकि फ्रिज से निकालकर जब आटे को यूज करेंगी तो मुलायम आटा ज्यादा चिपचिपा हो जाएगा और रोटी बनाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आटे को थोड़ा सॉफ्ट लेकिन हार्ड ही गूंथे।

एल्यूमिनियम फॉइल में रख सकते हैं
अगर आटे को कड़ा होने और काला होने से रोकना है तो एल्यूमिनियम फॉइल में भी लपेट कर रख दें। इससे भी आटा सॉफ्ट बना रहता है।

फ्रिज की बजाय फ्रीजर में रखें
आटे को जब भी स्टोर करना हो तो हमेशा फ्रिज में रखने की बजाय फ्रीजर में स्टोर करके रखें। ऐसा करने से आटा ज्यादा लांग टाइम तक फ्रेश बना रहता है और साथ ही कभी भी काला या कड़ा नहीं होता। रेस्टोरेंट वालों का यहीं सीक्रेट है। वो आटे को हमेशा फ्रीजर में स्टोर करते हैं।

फ्रीजर से बाहर निकाल कर इस तरीके से बनाएं रोटी
फ्रीजर से आटे को बाहर निकालने की बजाय एक बार अच्छे तरीके से गूंथे। जिससे आटा पूरी तरह से सॉफ्ट हो जाए। इसके बाद सारे आटे की लोई बनाकर रख लें और रोटी बनाते वक्त एक बार हाथों से घुमाएं। जिससे रोटी मुलायम और सफेद बनें।

कुर्ती के ये डिजाइन पहनकर मिलेगा बढ़िया लुक

हर पैटर्न बेहतरीन

कु र्ती सिलवाने के लिए स्टाइलिश डिजाइन खोज रही हैं तो यहां हम आपके लिए कुछ बेहतरीन पैटर्न लेकर आए हैं, जो दिखने में फैंसी हैं और आपको स्टाइलिश लुक देंगे।

स्टाइलिश कुर्ती डिजाइन - अगर आप फैंसी पैटर्न खोज रही हैं तो यहां हम आपके लिए कुछ बेहतरीन डिजाइन लेकर आए हैं, जिन्हें पहनकर आपको स्टाइलिश और मॉर्डन लुक मिलेगा।

सिंपल सूट डिजाइन - सिंपल-सोबर सूट डिजाइन खोज रही हैं तो इस तरह के पैटर्न को चुनें। कॉटन सूट में इस तरह का पैटर्न काफी अच्छा लगता है।

शॉर्ट कुर्ती डिजाइन - शॉर्ट कुर्ती में इस तरह से अंगराखा पैटर्न को बनवाएं। ये आपको फैंसी और मॉर्डन लुक दे सकता है।

पार्टी वियर सूट डिजाइन - पार्टीवियर सूट बनवाना है तो इस तरह के फैंसी डिजाइन में स्टिच करवाएं। इस पैटर्न में प्लाजो के साथ शॉर्ट कुर्ती है। जिसके साथ हाफ नेक डिजाइन को बनाया गया है।

कट डिजाइन - नेक पर इस तरह का कट डिजाइन काफी ट्रेंडी है। अगर आप कोई डिफरेंट डिजाइन की कुर्ती सिलवाना चाहती हैं तो इस पैटर्न को चुनें।

यूनीक नेक डिजाइन- यूनीक नेक डिजाइन आपकी सिंपल कुर्ती को खास बना सकते हैं। इस तरह का पैटर्न काफी स्टाइलिश दिखता है।

साबूदाना कटलेट

व्र त या उपवास में बनने वाला यह कटलेट किचन के बेसिक सामानों से ही बन जाता हैं और खाने में बहुत स्वादिष्ट लगता हैं। यह व्रत की एक फेमस रेसिपी है जो साबूदाना से बनायी जाती है। क्रिस्पी होने के कारण बच्चे बड़े सभी को बहुत पसंद आती हैं। वैसे तो यह उपवास की रेसिपी है पर आप इसे बच्चों के टिफिन में भी रख सकते हैं। आप इस उपवास कटलेट को गर्मा गरम चाय और व्रत वाली चटनी के साथ सर्व करना ना भूले।

साबूदाना को 2-3 बार अच्छी तरह वॉश करके 5-6 घंटे या रात भर के लिए चित्र अनुसार भिगो दे। हमारा साबूदाना अच्छी तरह से फूल गया है इसे एक छलनी पर डाल देंगे जिससे उसका पानी निकल जाए और वह चित्र अनुसार ड्राई हो जाएं।
दूसरी तरफ मूंगफली को मध्यमआंच पर रोस्ट कर लेंगे और ठंडा (नॉर्मल) होने पर मिक्स जार में दरदरा पीस लेंगे।
आलू को अच्छी तरह मैश कर लेंगे फिर उसमें फूली हुए साबूदाना और दरदरा पीसी हुई मूंगफली को भी डाल दें।
बारीक कटी हरी मिर्च,हरी धनिया,अदरक,जीरा घर का पीसी लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण से साबूदाने बड़ा या कटलेट का मनचाहा शेप दें। दूसरी तरफ कढ़ाई में कुकिंग ऑयल गर्म कर कटलेट्स को मध्यम आंच पर दोनों साइड से गोल्डन होने तक तले फिर प्लेट में निकाल लें। साबूदाना कटलेट तैयार है। साबूदाना कटलेट को गर्मा गरम चाय और व्रत वाली चटनी के साथ परोसें।

मां बनने में आ रही परेशानी तो डॉक्टर की इन टिप्सों को करें फॉलो

सं तान सुख हर शादीशुदा जोड़े के जीवन का एक अहम सपना होता है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने, गलत लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से कपल्स को गर्भधारण करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है. खासकर महिलाओं के लिए उम्र बढ़ने के साथ ओवेरियन रिजर्व यानी अंडों की संख्या और गुणवत्ता में गिरावट आना आम समस्या बन गई है. स्त्री रोग विशेषज्ञ के मुताबिक, हर 10 में से 6 कपल्स को आज के समय में इनफर्टिलिटी की समस्या हो रही है, जिसमें एग क्वालिटी खराब होना एक बड़ा कारण है. अगर महिला की एग क्वालिटी खराब हो जाती है तो IVF जैसी तकनीक से भी खुद के एग से बच्चा होना मुश्किल हो जाता है और डोनर एग का सहारा लेना पड़ता है. लेकिन ज्यादातर लोग चाहते हैं कि उनका बच्चा बायोलॉजिकल रूप से उनका अपना हो. ऐसे में जरूरी है कि समय रहते एग क्वालिटी में सुधार किया जाए.

एवोकाडो खाएं
एवोकाडो में विटामिन, मिनरल्स और हेल्दी फैट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसका नियमित सेवन महिलाओं की एग क्वालिटी को सुधारने में काफी फायदेमंद होता है। एवोकाडो को आप सलाद, सैंडविच या ऐसे ही काटकर खा सकते हैं। इसके सेवन से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जो अंडों के विकास में मदद करते हैं।

डाइट में दालों को करें शामिल
प्रेगनेंसी प्लान करने वाली महिलाओं के लिए दालें भी बहुत लाभकारी हैं। दालों में प्रोटीन भरपूर होता है जो अंडों के विकास के लिए जरूरी है। साथ ही दालों में मौजूद आयरन पीरियड्स को नियमित करता है और फर्टिलिटी को बेहतर बनाता है। मसूर, मूंग, चना और अरहर की दाल खासतौर पर डाइट में शामिल करें।

ड्राई फ्रूट्स खाएं
ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, अखरोट, किशमिश, अंजीर और काजू में भरपूर मात्रा में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं जो शरीर के हार्मोन बैलेंस को ठीक रखते हैं। रोजाना एक मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स रात भर भिगोकर सुबह खाने से न केवल फर्टिलिटी बढ़ती है बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

शराब और सिगरेट से दूरी बनाएं
डॉ। चंचल शर्मा के अनुसार, सिगरेट पीने और शराब पीने से महिलाओं की एग क्वालिटी पर बुरा असर पड़ता है। इससे मिसकैरेज का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जो महिलाएं प्रेगनेंसी प्लान कर रही हैं, उन्हें इन बुरी आदतों से पूरी तरह दूर रहना चाहिए।

तनाव से बचें और करें नियमित एक्सरसाइज
तनाव का सीधा असर महिलाओं की फर्टिलिटी पर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि आप तनाव कम करें। नियमित योग, प्राणायाम और हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करने से शरीर और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं। वॉकिंग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज से हार्मोनल संतुलन बेहतर होता है।

समय रहते करें तैयारी
गर्भधारण से पहले की गई तैयारी बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने से पहले ही महिलाएं अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें ताकि भविष्य में कंसीव करने में परेशानी न हो। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनावमुक्त जीवनशैली और बुरी आदतों से दूरी बनाकर महिलाएं आसानी से एग क्वालिटी सुधार सकती हैं।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला, राजनांदगांव में 21 जून को विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन कॉलेज और छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की प्राचार्य एवं छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन की प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा के मार्गदर्शन में हुई। योग प्रशिक्षक डॉ. धर्मेंद्र साहू के निर्देशन में छात्र-छात्राओं व स्टाफ ने योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर डॉ. छाबड़ा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और शांत मन के लिए योग को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें तनावमुक्त जीवन और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकगणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग सत्र में ताड़ासन, वज्रासन, वृक्षासन, प्राणायाम और ध्यान जैसे आसनों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को नियमित योग करने और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी गई।

संस्थान के इस आयोजन को प्रतिभागियों सहित स्थानीय लोगों ने भी सराहा और योग दिवस को सफल बनाने हेतु आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

योग दिवस पर ग्राम जल जागरूकता अभियान, लिया जल संरक्षण की शपथ

मोहला (समय दर्शन)। अंतराष्ट्रीय 11 वा योग दिवस पुलिस ग्राउंड मोहला जिला मोहला मानपुर अ.चौकी अंतर्गत जल जीवन मिशन,ग्राम जल जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमे जल संरक्षण जल संवर्धन एवं रखरखाव के प्रति शपथ ग्रहण किया गया। इस बीच योग शिक्षक के द्वारा हर योग बिंदु को ध्यान पूर्वक योग कराया गया तत्पश्चात संसदीय सचिव गृह एवं जेल व विधायक आरंग गुरु खुशवंत साहेब के द्वारा जल संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण दिलाया गया और पानी बचाने की लोगो को अपील किया योग दिवस में उपस्थित जिला कलेक्टर श्रीमती तूलिका प्रजापति , जिला पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री महेश साहू, सहायक कार्यपालन अभियंता ए पी शर्मा, एसडीएम मोहला, एसडीएम मानपुर,जिला पंचायत सीईओ मैडम,जनपद सीईओ प्रांजल प्रजापति एवं अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस दुर्ग की बैठक में वार्ड बैठक करने का निर्णय

दुर्ग(समय दर्शन)। मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग की मासिक बैठक राजीव भवन दुर्ग में पूर्व विधायक अरुण वोरा, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष गया पटेल,पूर्व महापौर आर एन वर्मा, छाया महापौर श्रीमती प्रेमलता साहू, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले एवं मध्य ब्लॉक के अध्यक्ष अलताफ अहमद के विशेष उपस्थिति में रखी गई। बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा ने संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में संगठन के कार्यो की समीक्षा की गई एवं संगठन की मजबूती के लिए निर्णय लिया गया कि अब वार्ड बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें बुथ कमेटी को सक्रिय करते हुए संगठन को मजबूत किया जावेगा।वहीं पर्यावरण को बढ़ावा देते हुए प्रत्येक पदाधिकारी दो पेड़ लगाएगा और उसकी पूरी सुरक्षा करेगा ताकि वह विशाल रूप ले सके और पर्यावरण को सुदृढ़ बनाया जा सके। बैठक का संचालन अलताफ अहमद ने एवं आभार प्रदर्शन अलख नवरंग ने किया। बैठक में नंदू महोबिया,पूर्व पार्षद अशोक मेहरा, श्रीमती कन्या ढीमर, राजकुमार वर्मा,अजय शर्मा,झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुमित घोष, पाशी अली,गणेश सोनी,कुमारी सरिता ताम्रकार,पार्वती शेंडे,शत्रुघन चक्रधारी, रवि कोसरिया,यश बाकलीवाल,मनोज सिन्हा,अनिल देशमुख,पोषण साहू,त्रिशरण डोंगरे,आनंद कपूर ताम्रकार,अली असगर,अश्विनी निषाद,उपस्थित थे।

मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हाजी रईस अहमद शकील के नेतृत्व में आईबी ग्रुप के डायरेक्टर बहादुर अली को जन्मदिवस पर मुबारकबाद पेश की

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के रोजगारमुखी उद्योगपति एवं राजनांदगांव का नाम विश्व पटल पर रौशन करने वाले आईबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर जनाब बहादुर अली साहब के जन्मदिवस के मौके पर जामा मस्जिद शहर ऐतराफ के सदर जनाब हाजी रईस अहमद शकील ने मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनों एवं युवाओं के साथ पुष्प-गुच्छ देकर बधाई मुबारकबाद दी गई। जामा मस्जिद के सदर रईस अहमद शकील ने कहा कि इंसानियत मोहब्बत से लबरेज सहज, मिलनसार, बेहतरीन शख्सियत जिन्होंने देश में उद्योग लगाकर बेरोजगारों को एक नई दिशा देने का काम किया है, जिन्होंने हजारों हुनरमंद बेरोजगारों का भविष्य तय किया है, उस शख्सियत के यौमे पैदाइश जन्मदिन के मौके पर हम सब आज उनकी अनहद मुबारकबाद के साथ उम्र-दराजि और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। इसी परिपेक्ष्य में मुस्लिम समाज के मीडिया प्रभारी सैय्यद अफ़ज़ल अली ने बताया शहर जामा मस्जिद (शहर ऐतराफ) राजनांदगांव के सदर जनाब रईस अहमद शकील और कमेटी मेंबर को आईबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर बहादुर अली ने धन्यवाद प्रेषित किया।

वृक्षारोपण महाअभियान: हितग्राहियों के आवासों में लगाए जाएंगे पौधे

28 जून को 01 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत जिले में 04 लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी में जिले में निर्मित 50 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों के आवासों में 28 जून को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर 01 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के आवासों में भी उनकी सहभागिता से वृक्षारोपण करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पांडेय ने बताया कि जिले के तीन विकासखंडों में कुल 367 ग्राम पंचायतों के माध्यम से लगभग 57 हजार हितग्राहियों के निवास स्थलों में 01 लाख 15 हजार पौधों का रोपण प्रस्तावित है। इसके लिए ग्राम पंचायतवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है, जो कार्यक्रम की निगरानी और समन्वय सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि लोरमी विकासखंड अंतर्गत 147 ग्राम पंचायतों के लिए 45 हजार, मुंगेली विकासखंड के 124 ग्राम पंचायतों के लिए लगभग 44 हजार और पथरिया विकासखंड के 96 ग्राम पंचायतों के लिए 26 हजार से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला पंचायत सीईओ ने निर्धारित लक्ष्य अंतर्गत पौधारोपण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर पौधे निकटवर्ती नर्सरी से एक दिन पहले ही एकत्र कर लिए जाएंगे और रोपण के लिए गड्ढों की खुदाई एवं अन्य तैयारियां भी एक दिन पूर्व ही सुनिश्चित कर ली जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत में नोडल अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

शक्तिधाम समिति का सराहनीय प्रयास : मुक्तिधाम में सफाई अभियान और पौधरोपण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति, बाबूटोला ने एक नई पहल की है। गुरुदेव हरीश यादव के मार्गदर्शन में रविवार को नावागांव मुक्तिधाम में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने न केवल परिसर की सफाई की, बल्कि नीम, पीपल, करंज, आंवला, डुमर, बादाम जैसे छायादार पौधे भी रोपे।

गुरुदेव श्री यादव ने बताया कि वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत हर रविवार शहर के अलग-अलग वार्डों में पौधरोपण और सफाई अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जहां भी पौधे लगाए जाएंगे, वहां के स्थानीय सदस्य को उनकी देख-रेख की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, ताकि पौधों की सुरक्षा और विकास सुनिश्चित हो सके। अभियान में समिति के शंभू वर्मा, दुर्गा यादव, भोज वर्मा, कौशल मानिकपुरी, श्रेष्ठा यादव, किशन चौरसिया, प्रशांत वर्मा, चंद्रेश साहू, भैरव यादव, लव यादव, श्यामू साहू, बिट्टू रामटेके, लोकेश सिन्हा, शेखर दुरगकर, संतोष वर्मा, उमाशंकर सोनकर, रजिव सिंह, राकेश देवांगन, मनोज सिन्हा और पवन सिन्हा सहित कई सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। गुरुदेव श्री यादव ने समाज के हर व्यक्ति से अपने मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता एवं हरियाली बनाए रखने में योगदान देने की अपील की। समिति का यह प्रयास न केवल पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में प्रेरणादायक है, बल्कि शहर में स्वच्छता और हरियाली को लेकर जन.जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

हनुमान सेवा समिति ने प्रमुख मंदिरों में चढ़ाया पीतल का गदा, भक्तों में उत्साह

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर की हनुमान सेवा समिति द्वारा धार्मिक आस्था और सेवा भाव से प्रेरित होकर एक प्रशंसनीय कार्य किया गया। समिति ने संरक्षक नीलू शर्मा, अध्यक्ष, पर्यटन मंडल छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में शहर के प्रमुख हनुमान और अन्य मंदिरों में पीतल का गदा चढ़ाने का पुनीत कार्य किया। यह आयोजन पूरे श्रद्धा और समर्पण के साथ संपन्न हुआ, जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समिति द्वारा शीतला मंदिर, इमाम चौक मंदिर, मानव मंदिर चौक, गांधी चौक हनुमान मंदिर, गंज चौक हनुमान मंदिर, पुराना बस स्टैंड, स्टेडियम चौक हनुमान मंदिर और दिग्विजय कॉलेज मंदिर में पीतल का गदा चढ़ाया गया।

समिति ने बताया कि शेष बचे मंदिरों में भी शीघ्र ही यह कार्य पूर्ण किया जाएगा, जिससे सभी प्रमुख मंदिरों में एक समान धार्मिक सौंदर्य और श्रद्धा का भाव प्रकट हो सके।

इस सेवा कार्य में समिति के प्रमुख सदस्य शिव वर्मा, मनोज वर्मा, भोला सोनू परिहार, नीलेश पटेल, राजू वर्मा, शिवम देवांगन, कुंदन साहू, संदीप रविंद्र देवांगन, राकेश वर्मा, नरोत्तम साहू, दीपक देवांगन, अमित चौहान, दीपक साहू, रमेश साहू, रोशन देवांगन, शौर्य शर्मा, सुनील वर्मा, छोटू मानिकपुरी, करणपाल और धर्मेंद्र यादव सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

समिति के इस कार्य को स्थानीय नागरिकों ने भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने समिति के सेवा भाव की सराहना करते हुए इसे आस्था और समाज सेवा का संगम बताया।

हनुमान सेवा समिति ने संकल्प लिया है कि आगे भी धार्मिक और सामाजिक कार्यों को निरंतरता के साथ किया जाएगा। समिति का उद्देश्य केवल मंदिरों की सेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकजुटता का संचार करना है।

संग्रहण केंद्रों में धान की कमी , गत वर्ष हजारों करोड़ का नुकसान हुआ था, इस वर्ष घोटाले की राशि और बढ़ेगी

हर स्तर पर शॉर्टेज

रायपुर/ समय दर्शन। खरीफ सीजन 2025 के धान संग्रहण केंद्रो से 84 हजार मीट्रिक टन की कमी को सरकार का भ्रष्टाचार करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पिछले खरीफ सीजन में भी रखरखाव और परिवहन में गड़बड़ी कर 1000 करोड़ का धान घोटाला किया गया था, इस बार यह आंकड़ा और बढ़ेगा। सरकार ने धान संग्रहण केंद्रों से 72 घंटों के भीतर उठाव का नियम बदला था, ताकि नुकसान बताकर धान गायब करवा सकें। छत्तीसगढ़ में 2038 प्राथमिक शाख समितियां कार्यरत हैं, जिसके अंतर्गत 2739 धान संग्रहण केंद्र संचालित है, इन सभी सहकारी सोसाइटियों में भ्रष्टाचार करने के लिए सरकार ने अपने ही नेता कार्यकर्ताओं को प्रभारी नियुक्त किया है। इन्हीं के आंकड़ों में विगत खरीफ़ सीजन में खरीदे गए धान में से 84 हजार मीट्रिक टन गायब हैं, स्पष्ट है कि भाजपा नेताओं के संरक्षण में ही धान चोरी हुए। उन्होंने कहा कि सरकार आने के बाद से सहकारी सोसाइटियों को भाजपा नेताओं का चारागाह बना दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की बदनीयती से छत्तीसगढ़ के सहकारी सोसाइटियों की आर्थिक स्थिति चरमरा रही है, हजारों करोड़ का आर्थिक नुकसान समितियों को हो रहा है। धान संग्रहण केंद्रों में धान खरीदी के दावे और वास्तविक स्टॉक में जमीन आसमान का अंतर है। रायपुर संभाग में 17048, बस्तर संभाग में 21629, बिलासपुर संभाग में 6512, दुर्ग संभाग में 28246 और सरगुजा संभाग में 9878 मैट्रिक टन धान कम पाए गए, जिसका साफ मतलब है कि सरकार के संरक्षण में पूरे प्रदेश में 84 हजार मैट्रिक टन से ज्यादा धान गायब कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार किसान हितैषी होने का केवल ढोंग करती है, असलियत यह है डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह जिले कवर्धा के पंडरिया के केवल तीन संग्रहण केंद्रों में की गई जांच में ही खरीदी के दावों से 3 करोड़ 36 हजार के धान कम पाए गए। रिपोर्ट के अनुसार दवा गुड़ान में 8440 क्विंटल, सरडसेत में 497 क्विंटल और बघर्रा में 196 क्विंटल धान की गड़बड़ी प्रमाणित हुई है। खरोरा के पचरी धान खरीदी केंद्र में 425 क्विंटल धान गायब है, लगभग यही स्थिति प्रदेश के अन्य सभी धान उपार्जन केंद्रों में है। सोसाइटी में नियुक्त कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त नागरिक आपूर्ति निगम की भूमिका भी संदिग्ध है। सरकार अनियमितता और भ्रष्टाचार में शामिल भाजपाइयों को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल लीपापोती कर रही है। सरकार की मंशा स्पष्ट है, न किसी से वसूली, न किसी की गिरफ्तारी, भ्रष्टाचारियों को खुला संरक्षण दे रही है सरकार।

तीन माह से वेतन से वंचित आयुष्मान योजना के कर्मचारी पहुंचे लेबर कोर्ट, आर्थिक संकट गहराया

मुंगेली जिला कलेक्टर कुंदन कुमार को भी सौंपा है ज्ञापन

मुंगेली(समय दर्शन) आयुष्मान भारत द्ध प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जिले के शासकीय एवं सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी पिछले तीन माह से वेतन न मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। फरवरी 2025 से अप्रैल 2025 तक का वेतन लंबित होने के चलते नाराज कर्मचारियों ने अब लेबर कोर्ट का रुख किया है।

स्वास्थ्य कर्मियों का आरोप है कि योजना संचालन हेतु नियुक्त टीपीए संस्था एफएचपीएल (स्त्र।क्व्ह) द्वारा वेतन भुगतान में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। इस कारण वे परिवार की बुनियादी जरूरतें जैसे बच्चों की पढ़ाई, राशन एवं अन्य घरेलू खर्चों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

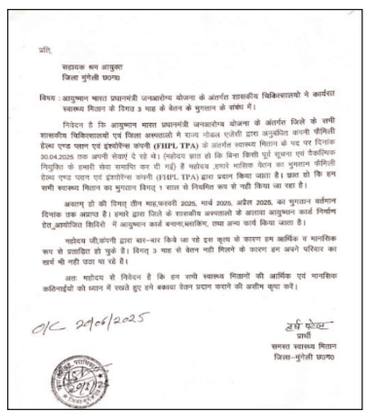

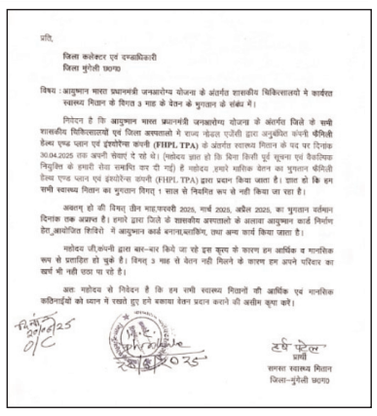

इस मुद्दे को लेकर समस्त आयुष्मान ऑपरेटरों ने जिला कलेक्टर कुंदन कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि उनकी सेवा अवधि 30 अप्रैल 2025 तक स्वीकृत थी, इसके बावजूद तीन माह का वेतन अब तक नहीं मिला। कर्मचारियों ने एफएचपीएल एजेंसी और संबंधित उच्च अधिकारियों से कई बार संपर्क किया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर टाल दिया गया।

परिस्थिति से त्रस्त होकर कर्मचारियों ने अब न्याय की आस में श्रम न्यायालय की शरण ली है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र वेतन भुगतान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। स्वास्थ्य कर्मी हर्ष पटेल, अश्विनी निर्मलकर, हरिश कौशिक, हरिचंद पटेल, महेंद्र कौशिक, निकिता जायसवाल, त्रिवेंद्र राजपूत, उपसेन खांडे, आशीष शर्मा एवं क्लेम ऑडिटर ऋषभ तिवारी सहित अन्य

ने बताया कि वे सभी पूरी निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन तीन माह से वेतन न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कर्मचारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्त्र।क्व्ह एजेंसी को सख्त निर्देश देकर शीघ्र वेतन भुगतान सुनिश्चित कराया जाए, ताकि वे आर्थिक और मानसिक तनाव से उबर सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार की योजनाओं में लगे कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिलेगा, तो इससे योजना की साख और विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

स्थिति को देखते हुए अब प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ही इन कर्मचारियों की समस्या का समाधान कर सकती है।

खबर-खास

पिकअप की ठोकर से मोटरसाईकिल सवार घायल

गरियाबंद (समय दर्शन)। लापरवाही पूर्वक चल रही पिकअप की ठोकर से मोटरसाईकिल चालकों को गंभीर चोट लगी जिनका जिला अस्पताल में उपचार कर रायपुर भेजा गया।घटना में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मालगांव निवासी एक व्यक्ति जो नया पिकअप ट्रक लाया था,जिसका नंबर भी नहीं आया था उसका ट्राली बनाने स्थानीय मजरकट्टा ग्राम के समीप एक लोहा वेल्डिंग दूकान में दिया था।वही दुकान में ट्राली बनाने के बाद वही कार्य करने वाला एक व्यक्ति उस पिकअप को लेकर पैरी नदी की ओर ट्रायल में चला गया और लौटते वक्त बीजेपी कार्यालय से कुछ दूर आगे नेशनल हाईवे 130 सी में गरियाबंद से राजिम की ओर जा रहे मोटरसाइकिल जिसमे दो लोग सवार थे उन्हें जबरदस्त ठोकर मारकर पिकअप सड़क किनारे जा घुसा।इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों को गंभीर चोट लगी।घटना की जानकारी सिटी कोतवाली को मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल लेकर गए जहां उनका उपचार कर रायपुर भेजा गया।वही बताया जा रहा की मोटरसाइकिल सवार दोनों घायल रायपुर के निवासी है जो गरियाबंद घूमने आए थे और लौटते में ये घटना घटी।साथ ही राहगीरों ने बताया कि पिकअप चालक नशे की हालत में था जिससे ये घटना घटी।

7 .544 कि .ग्रा .अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार कर दो आरोपियों को भेजा जेल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध शराब,गांजा मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया था।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत मुखबिर व पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया था।जिन्हें आज मुखबिर से सूचना मिला की दो व्यक्ति एक मोटर सायकल से अपने कब्जे मे भारी मात्रा में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा लेकर महासमुंद रोड होकर फिंगेश्वर की ओर आ रहे है कि सूचना ग्राम बोरिद तिराहा के पास नाकाबंदी कर आने जाने वालों संदिग्ध मोटर सायकल को रोककर चेकिंग कर रहे थे तभी मुखबीर के बताये निशानदेही पर एक मोटर सायकल में बैठे दो व्यक्ति पुलिस को देखकर घबराते हुये अपने मोटर सायकल को छुरा रोड की ओर मोडकर भागने का प्रयास कर रहे थे।जिसे संदिग्ध लगने पर पकडे और पुछताछ करने पर मोटर सायकल चालक ने अपना नाम खेलावन ध्रुव पिता संतोष ध्रुव उम्र 30 वर्ष व मोटर सायकल के पीछे बैठे व्यक्ति अपना नाम राजेश भोई पिता राजू भोई उम्र 22 निवासी वार्ड नंबर 15 गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ0ग0 का रहने बताया।दोनों व्यक्ति की तलाशी लेने पर एक नीला काला कलर के पीठवू बैग के अन्दर रखे 75,000 रूपये का मादक पदार्थ गांजा 7.544 किलो ग्राम और घटना में प्रयुक्त एक प्लेटिना मोटर सायकल क्रमांक छ्त्त 23 स्न 1364 एक टच स्क्रीन मोबाईल फोन एक टच स्क्रीन मोबाईल फोन को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपीगण खेलावन ध्रुव गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा और राजेश भोई थाना गोबरा नवापारा का कृत्य अपराध धारा सदर 20 (ख) नारकोटिक एक्ट का घटित करना पाये जाने पर मौके पर देहाती नालशी पर से असल नंबरी अपराध क्रमांक 185/2025 धारा 20 (ख) नारकोटिक एक्ट पंजीबद्ध कर न्यायिक पर भेजा गया।

बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के वाहनों पर लगेगा जुर्माना, नम्बर प्लेट पंजीयन के लिए 23 से 27 जून तक विशेष शिविर का होगा आयोजन

गरियाबंद। शासन द्वारा 1 अप्रेल 2019 के पूर्व पंजीकृत समस्त वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है।लोगों को पूर्व में भी नए नंबर प्लेट बनवाने के लिए जागरूक किया गया था।साथ ही अभियान चला कर शिविर भी लगाया गया था।शासन के निर्देशानुसार बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के वाहनों पर जुर्माना लगाया जाएगा।इसी तारतम्य में लोगों को नंबर प्लेट बनवाने का और सहूलियत देते हुए परिवहन कार्यालय गरियाबंद द्वारा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।इसी तारतम्य में 23 जून 2025 से 27 जून तक जिले के 7 जगहों में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने तेंदूपत्ता संग्राहक महिलाओं के पैर पखार कर अपने हाथों से पहनाई चरण पादुका

कवर्धा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के तपकरा में प्रदेशव्यापी चरण पादुका योजना का शुभारंभ किया। वहीं ग्राम पोलमी में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाली हितग्राही महिलाओं के पैर पखार कर अपने हाथों से उन्हें चरण पादुका पहनाकर बधाई व शुभकामनाएं दी।

पंडरिया विधायक भावना ने इस योजना के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान के लिए डबल इंजन भाजपा सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाली माताओं-बहनों के चरणों की सुरक्षा के लिए आज चरण पादुका योजना की शुरुआत कर मोदी की एक और गारंटी को पूरा किया है। इसके पूर्व तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदी का वादा किया था और उसे पूरा किया।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में वर्ष 2005 में इस भागीरथी योजना की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 14 अप्रैल 2018 को बीजापुर में इस योजना के तहत लाभार्थी महिला को स्वयं अपने हाथों से चरण पादुका पहनाकर उन प्रति सम्मान व्यक्त किया था। लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इस योजना पर रोक लगाकर तेंदूपत्ता संग्राहकों एवं माताओं-बहनों को उनके अधिकारों से वंचित रखा। लेकिन आज प्रदेश में सुशासन की डबल इंजन भाजपा सरकार ने उनकी पीड़ा को देखा,महसूस किया और सभी माताओं-बहनों और तेंदूपत्ता संग्राहकों को उनका अधिकार दिलाया है। उन सभी का हमारे प्रदेश की आर्थिक प्रगति में भी उनका बहुमूल्य योगदान है जिसके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने इस योजना की शुरुआत करते हुए 40 करोड़ रुपए की सौगात दी है जिससे 12 लाख 40 हजार तेंदूपत्ता का संग्रहण करने वाली महिलाओं को लाभ मिलेगा।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि मोदी की गारंटी में किए अपने संकल्पों को पूरा कर रही है जिससे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन मे सकारात्मक परिवर्तन व प्रदेश के हर गांव-शहर में विकास स्पष्ट दिखाई दे रहा है। हमारे वनांचल क्षेत्रों के विकास और जनजातीय समुदाय के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जिस प्रकार हमारी सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है उसके सकारात्मक परिवर्तन आया है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस 3100 प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी हो रही है, आज गाँव-गाँव में पक्की सड़कों का निर्माण हो रहा है। गांवों में शुद्ध पानी, पर्याप्त बिजली की आपूर्ति, महतारी वंदन योजना से महिलाएं सशक्त हो रही हैं, पक्के आवास मिल रहें हैं, भूमिहीन किसानों को आर्थिक सहायता मिल रही है, योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और प्रत्यक्ष रूप से लाभ आम जनता को मिल रहा है, ये सभी विष्णु के सुशासन एवं मोदी की गारंटी में डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में ही सार्थक हो रहे हैं।

भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार योग पूरी दुनिया को जागरूक कर रहा- भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से पूरे विश्व में 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में मनाया गया। नगर पालिका परिषद पंडरिया द्वारा सामुदायिक भवन परिसर, में योग फॉर-वन अर्थ वन वन हेल्थ सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के आयोजन में पंडरिया विधायक भावना बोहरा शामिल हुई और नगरवासियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पालिका परिसर में पौधरोपण भी किया।

पंडरिया विधायक भावना ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को भी भारत की प्राचीन सभ्यता को आगे बढ़ाने मे अपनी भूमिका निभाएं और इस परंपरा को आत्मसात कर एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर बढ़ते हुए स्वस्थ भारत का निर्माण करें तभी यह दिन सार्थक होगा। योग केवल हमें शारीरिक ही नहीं बल्कि बौध्दिक एवं मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का वह अमूल्य धन है जिसके माध्यम से करोड़ों लोग एक स्वस्थ एवं बेहतर जीवनशैली से जुड़ रहें हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी के अथक प्रयासों से आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति के इस विरासत को अपनाकर स्वस्थ जीवन का अनुभव कर रहें हैं। इस वर्ष योग फॉर-वन अर्थ वन वन हेल्थ के उद्देश्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस समान्य जा रहा है। इसका उद्देश्य हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग व जागरूक बनने के साथ ही हमारी प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा व संरक्षण के लिए भी प्रेरित करता है। जिस प्रकार हम अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हैं उसी प्रकार हमें अपने पर्यावरण व अपने आस-पास में स्वच्छता बनाए रखने का सन्देश देता है जिससे हम अपनी पृथ्वी को भी स्वस्थ बनाएं और आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ समाज के साथ ही स्वस्थ पर्यावरण की सौगात भी दे सकें। उन्होंने कहा कि यह हम सभी भारतीयों के लिए एक गौरवशाली दिन है कि भारतीय सभ्यता का आज पूरे विश्व मे प्रसार हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हमें बताता है कि योग हमारे शरीर के लिए जरूरी है। नियमित योग करने से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि हमारे शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने का तरीका है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग मानसिक शांति और स्वास्थ्य के लिए वरदान है। इस साल की थीम है कि एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, यानी खुद के साथ समाज को भी स्वस्थ बनाना है। हमें योग को सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन की आदत बनाना चाहिए।

इस दौरान नगर पालिका पंडरिया की अध्यक्ष मंजुला देवी कुर्रे, उपाध्यक्ष सुमित तिवारी, जनपद पंचायत पंडरिया की अध्यक्ष नंदिनी साहू, उपाध्यक्ष छत्रकिशोर तिवारी, पार्षद व जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधि, नगर पालिका पंडरिया के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

राशन वितरण केंद्र में तकनीकी बाधा से हंगामा, उपभोक्ताओं में आक्रोश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के शासकीय उचित मूल्य की दुकान में रविवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया।सुबह से ही बड़ी संख्या में हितग्राही राशन प्राप्त करने के लिए दुकान के सामने एकत्र हो गए थे,लेकिन तकनीकी समस्याओं के चलते दुकान का शटर तक नहीं खुल पाया।इससे गुस्साए उपभोक्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की।दुकान में पदस्थ सेल्समेन रमेश निर्मलकर ने बताया कि एक हितग्राही को राशन देने के लिए 6 से 9 बार ओटीपी दर्ज करना पड़ रहा है, जिससे एक व्यक्ति पर औसतन आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता है। परिणामस्वरूप दिनभर में केवल 20 से 22 कार्डधारियों को ही राशन दिया जा सका।उन्होंने बताया कि इस गंभीर तकनीकी समस्या को लेकर संगठन द्वारा राज्य के खाद्य मंत्री और जिला प्रशासन को आवेदन सौंपा गया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि वे सुबह 5 बजे से लाइन में लगे हुए थे, लेकिन तकनीकी बाधाओं और धीमी प्रक्रिया के कारण घंटों इंतजार के बाद भी राशन नहीं मिल सका। सुबह से भीड़ इतनी अधिक थी कि दुकान का शटर तक नहीं खोला जा सका।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को शांत कराया और समझाइश दी इसके बाद लगभग 11 बजे दुकान का शटर खोला गया, लेकिन तब भी भीड़ पर काबू पाना मुश्किल रहा।वही हितग्राहियों का कहना है कि जब तक ओटीपी प्रणाली को सरल नहीं बनाया जाता और दुकान में अतिरिक्त तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था नहीं की जाती,तब तक हर महीने इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

इग्नाइटर्स 2025 में डीपीएस कवर्धा के डायरेक्टर आशीष अग्रवाल सम्मानित हुए

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन एवं पत्रिका समूह द्वारा आयोजित इग्नाइटर्स कार्यक्रम 2025 में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर में भव्य रूप से आयोजित हुआ।

इस अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, कवर्धा के डायरेक्टर आशीष कुमार अग्रवाल को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह (मेमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा ने श्री अग्रवाल को यह सम्मान पत्र प्रदान किया। इस समारोह में राज्यभर के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों पर चर्चा की। यह सम्मान डीपीएस कवर्धा के शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुकरणीय नेतृत्व का प्रतीक है।

गुरूकुल में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने किया उत्साहवर्धक योगासन

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित संस्था गुरूकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा में 21 जून 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक प्रात: कालीन सभा में मनाया गया। कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। योग के द्वारा ही शरीर स्वस्थ रहता है। नियमित योग का अत्यधिक महत्त्व होता है। योग अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, पाचन विकार और अन्य बीमारियों में चिकित्सा के एक सफल विकल्प है। सही तरीके से जीने का विज्ञान है योग। गुरूकुल में प्रात: कालीन सभा में क्रीडा शिक्षकों के द्वारा सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन त्रिकोणासन, पवनमुक्तासन तथा प्राणायाम के अन्तर्गत अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाति विधिवत सम्पन्न कराया गया। शांति पाठ के साथ योग सत्र का समापन हुआ। इसमें शाला के अधिकाश शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित सभी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की सार्थकता कायम किए है। क्रीडा विभाग के विभागाध्यक्ष ने योग के महत्व के विषय में सारगर्भित जानकारी प्रदान की। इस शुभ अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण व प्रभारी प्राचार्य ने पूरे विद्यालयीन परिवार को उत्तम स्वास्थ्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत धमतरी पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी

ग्राम अरसी कन्हार एवं बुडेनी-हसदा में ग्रामीणों व स्कूली बच्चों को दिलाई गई नशा से दूर रहने की शपथ

साइबर अपराध से बचाव की भी दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में धमतरी जिले में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 21 जून 2025 को थाना मेचका एवं पुलिस चौकी करेलीबड़ी की टीमों ने अलग-अलग ग्रामों में जाकर प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किए।

वनांचल सुदूर ग्राम अरसी कन्हार में जागरूकता कार्यक्रम- सुदूर वनांचल ग्राम अरसी कन्हार में नशामुक्ति के संबंध में आयोजित इस कार्यक्रम में थाना प्रभारी मेचका द्वारा ग्रामीणों को नशा के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया कि-:

नशा व्यक्ति की सोचने- समझने की शक्ति को नष्ट कर देता है। यह स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है, जिससे हृदय, यकृत और मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण अंग प्रभावित होते हैं।

नशे की लत पारिवारिक और सामाजिक जीवन को नष्ट कर देती है, साथ ही अपराध व हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बनाते हुए उन्हें बेरोजगारी, अपराध और आत्महत्या की ओर धकेलती है।

इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को नशे से हमेशा दूर रहने की सामूहिक शपथ दिलाई गई और उन्हें सकारात्मक जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

बुडेनी-हसदा विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता-: दूसरा कार्यक्रम ग्राम पंचायत बुडेनी एवं हसदा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ, जहां पुलिस चौकी करेलीबड़ी की टीम ने स्कूली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित किया।

कार्यक्रम में छात्रों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही उन्हें साइबर अपराध जैसे ङ्क फेक कॉल, हृञ्जक्क फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, और फर्जी नौकरी/लॉटरी जैसे ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों को नशा से दूर रहने और समाज में इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई। धमतरी पुलिस का यह अभियान न केवल नशा मुक्ति की दिशा में एक सकारात्मक पहल है, बल्कि साइबर अपराधों से सतर्क रहने हेतु समाज को सजग करने का भी प्रयास है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ईकोर्ट क्र..... ब/121 वर्ष 2024-25

ग्राम- पिपरिया प.ह.नं. 06

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति सावली पिता जोधू निषाद निवासी ग्राम पिपरिया तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा स्वयं के जन्म प्रमाण पत्र शासकीय कार्य हेतु आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवदिका द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, अनुसार आवेदिका के जन्म तिथि 02/01/1960 को ग्राम पिपरिया में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 04/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 26/06/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ईकोर्ट क्र.... ब/121 वर्ष 2024-25

ग्राम परसवारा प.ह.न.02

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुखीराम पटेल पिता घुनारीराम पटेल निवासी ग्राम परसवारा तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा डुप्लीकेट किसान किताब जारी कराने हेतु आवेदन पेश किया गया है। ग्राम परसवारा प.ह.नं. 02 रा.नि.मं. पिपरिया में स्थित भूमि ख0नं0 83/8 रकबा 0105 हे0 भूमि मुखीराम, बलराम पिता घुनारी के संयुक्त नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में जारी ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से डुप्लीकेट किसान-किताब जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त आवेदित भूमि के डुप्लकेट किसान-किताब जारी करने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तिथि तक अपना दावा / आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 27/06/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

छत्तीसगढ़ प्रदेश गाँड़ा समाज बसना इकाई के कार्यकारिणी का निर्वाचन

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश गाँड़ा समाज पंजीयन क्रमांक 5322 विकास खण्ड बसना से परिक्षेत्र क्रमांक 03 साल्हेझरिया में परिक्षेत्र पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का शांतिपूर्वक निर्वाचन सम्पन्न हुआ ।

परिक्षेत्र पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन सर्वसम्मति से शांतिपूर्वक मनोनयन मे निर्वाचन अधिकारी प्रहल्लाद सागर, पदुम चौहान पर्यवेक्षक बंशी तांडी एवं ब्लॉक अध्यक्ष गौतम चौहान ब्लॉक सचिव आनंद प्रभाकर, परिक्षेत्र अध्यक्ष फिरतराम चौहान

की उपस्तिथि में सम्पूर्ण पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का निर्विवाद मनोनयन किया गया। जिसमे क्रमश: सरंक्षक के लिए गंगाराम चौहान, अध्यक्ष हेतु गोकुलानंद चौहान, उपाध्यक्ष के लिए अंतराम चौहान, सचिव हेतु निरंजन सागर, कोषाध्यक्ष दयाराम चौहान, एवं सह सचिव कांतिलाल नंद, सहकोषाध्यक्ष श्यामलाल चौहान, सलाहकार सहदेव चौहान, मिडिया प्रभारी खीरसागर चौहान को सर्वसम्मति से परिक्षेत्र क्रमांक 03 साल्हेझरिया के लिए सर्वसम्मति से मनोनीतकिया गया ।

बसना अंतर्गत परिक्षेत्र के प्रत्येक गांव से कार्यकारिणी सदस्य चुना गया ।

जिसमे बालमकुन्द चौहान,मन्नू चौहान,निर्मल लोहक, सरोज रणबीरा तिहारु चौहान सुरेश जगत, ज्योतिप्रकाश सागर,जयकुमारसागर, सुरेन्द्र चौहान, किशन सोनवानी लालाराम ग्वाल,मनोहर चौहान, परदेशी चौहान, श्यामलाल चौहान, धनेश्वर चौहान, रविलाल चौहान, खेदूराम चौहान, गंगाराम चौहान, सदस्य मनोनीत हुए। उक्त कार्यक्रम परिक्षेत्र में सम्पन्न हुआ, जिसमें कार्यक्रम को सफ्ल बनाने जेवरा, कपसाखूंटा, आमापाली, बरोली, केँवटापाली, हाड़ापथरा, कुदारीबहरा, इंदरपुर, बिरसिंगपाली, केरामुण्डा, कटेल, चोरभट्ठी, एवं साल्हेझरिया के सामाजिक बंधुओं का विशेष योगदान एवं उपस्थिति रहा ।

संक्षिप्त-खबर

44 स्कूल बसों की सघन जांच की गई

महासमुन्द (समय दर्शन)। दिनांक 22/06/2025 को जिला परिवहन अधिकारी महासमुंद और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा जिले में आने वाले बसना, सरायपाली क्षेत्र के 44 स्कूल बसों की जांच की गई, जांच में 04 बसों में कमी पाए जाने पर 6500/ शमन शुल्क वसूल किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित सभी चालकों का शुगर,बी पी और आंखो की जांच किया गया । साथ ही सभी स्कूल बसों को बताया गया कि बस चालक एवं परिचालक दोनों को वाहन संचालन के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर तत्काल फस्टेड बॉक्स, अग्निशमन एवं इमरजेंसी डोर का उपयोग करने बतलाया गया। इसके अलावा स्कूली बसों में आने जाने वाले बच्चों को चढ़ते एवं उतरते समय हमेशा सावधानी के साथ बच्चों उतारने व चढ़ाने बताया गया। साथ ही स्कूली बसों के संचालन के दौरान किसी प्रकार का शराब सेवन नहीं व नशे की हालत में वाहन नही चलाने और हमेशा यातायात नियमों का पालन करने समझाया गया। उक्त स्कूल बस भौतिक परीक्षण शिविर कार्यक्रम में परिवहन कार्यालय से जिला परिवहन अधिकारी राम कुमार ध्रुव, रामभरोसा निर्मलकर , हेमचंद कंवर लखन पटेल , मेघू राम उपस्थित रहे।

सांकरा में लोक सेवा एवं दस्तावेज शिविर का आयोजन, 200 हितग्राही को मिला लाभ

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सांकरा मे लोक सेवा एवं दस्तावेज शिविर का आयोजन हुआ जिसमे आधार कार्ड, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनाया गया । लगभग 200लोगो ने इस शिविर मे अपने दस्तावेज सुधार करवाये इस अवसर पर सरपंच रवि सिंगौर,उपसरपंच रामशरण बंधे, पंचगण संजय सिंगौर, तुलाराम सिंगौर महेन्द्र पारधी, दीपक सिंगौर सहित अन्य विमल कुमार तिवारी एवं स्टाप जन मौजूद रहे

शिवोम् विद्यापीठ स्टूडेंट्स ने लिया योग करने का संकल्प

पाटन (समय दर्शन)। शिवोम् विद्यापीठ में 'मानवता के लिए योग' थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शनिवार को मनाया गया। जिसमें संस्था के तीनों स्कूल सांकरा , रायपुरा और चांगोरभाटा के स्टूडेंट्स को योगासनों की जानकारी देते हुए सूर्य नमस्कार, वज्रासन, शवासन, तितली आसन , धनुरासन, मत्स्यासन, भुजंगासन जैसे योग आसनों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर स्टूडेंट्स को योग के जरिए इस व्यस्तता भरे जीवन को तनाव और रोग मुक्त करने का तरीका बताया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बच्चों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। स्कूल का लोगो भी 'योगा' से संबंधित है जो स्टूडेंट्स को प्रेरित करने का कार्य करता है। कार्यक्रम की शुरुआत ? और मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। स्टूडेंट्स ने हाउस की टी - शर्ट में मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया है। जिसकी वहाँ उपस्थित सभी लोगों ने प्रशंसा की। स्टूडेंट्स व स्टाफ्ने नियमित रूप से योग करने और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन श्री अवधेश शर्मा जी ने स्टूडेंट्स को अपने नियमित जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया एवं स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि निरोग रहने का सबसे सहज माध्यम योग है। इस अवसर पर स्कूल के असिस्टेंट डायरेक्टर श्री अशरफअली सर , सांकरा प्रिंसिपल जया बंदेलू , रायपुरा प्रिंसिपल प्रीतू सिंह एवं समस्त स्टाफमौजूद थे।

ग्राम पंचायत नवागांव बी में सरपंच द्वारा की गई घोषणा पत्र पर अमल करते हुए शोकाकुल परिवार को किया आर्थिक सहायता- सरपंच कविता साहू

जामगांव आर- दक्षिण पाटन के ग्राम पंचायत नवागांव बी मे साहू परिवार के बड़े पुत्र कुलेश्वर साहू जी का निधन का हो गया! स्वः कुलेश्वर साहू का परिवार को सरपंच द्वारा किया गया आर्थिक सहायता! शोकाकुल परिवार को दो हजार रूपेय का नगद राशि ग्राम के सरपंच श्रीमती कविता साहू नवागांव बी के द्वारा भेंट किया गया है! इस मौके पर- श्री छगनलाल साहू उपसरपंच, श्री सतीश साहू रहे! यह जानकारी मीडिया प्रभारी अभिषेक सेन ने दिया!

सावित्रीपुर विद्यालय मे योग दिवस के अवसर पर योग के साथ शिक्षकों ने बताये योग के गुर

बसना (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में समस्त छात्र-छात्राओं,शिक्षक शिक्षकाओं और जनप्रतिनिधियों के द्वारा योग,प्राणायाम का सामूहिक रूप से योग अभ्यास किया गया।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सिदार सर ने कहा कि हर साल 21 जून को दुनिया भर के लोग अंतर्राष्ट्रीय योग मानते हैं,योग करने से व्यक्ति में एक नई शक्ति का संचार होता है,जो आपकी हर बॉडी पार्ट को हेल्दी रखने का काम करता है। वरिष्ठ व्याख्याता निर्मल साहू सर ने कहा कि योग वैदिक समय से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है योग की महिमा ऐसी है कि यह न केवल आपकी शारीरिक स्वास्थ्य को बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी दुरुस्त करता है ।ऐसे हर साल 21 जून को दुनिया भर के लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही चाव से मनाते हैं। बी डी साहू सर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा रहा है यह केवल व्यायाम नहीं बल्कि एक ऐसी विधा है जो शरीर,मन और आत्मा को जोड़ने का कार्य करती है द्य संकुल समन्वयक पी एल चौधरी सर कहा कि इस दिन का मकसद योग के लाभों से लोगों को

जागरूक करना है इसके अलावा योग दिवस हमें अपनी भाग दौड़ भरी जिंदगी में रुककर अपने भीतर झांकने और शारीरिक ,मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है।इस दिन भारत समेत दुनिया भर में लोग सामूहिक रूप से योगाभ्यास करते हैं। मिडिल स्कूल हेडमास्टर एस एल पटेल सर ने कहा कि योग दिवस मनाने का सबसे बड़ा मकसद इसके लाभों को पूरी दुनिया में फैलाना है योग के फायदे को देखकर पूरे विश्व में इसे दिल से स्वीकार किया है,भारत के ऋषियों ने इस विज्ञान को गहन अभ्यास और चिंतन से विकसित किया है।योग दिवस की शुरुआत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर हुई ।प्राइमरी स्कूल के प्रधान पाठक महेंद्र तांडी ने कहा कि हर साल योग दिवस की एक थीम रखी जाती है, इस साल यानी 2025 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम हैदुयोग फॉर वन अर्थ,वन हेल्थ यानी एक पृथ्वी,एक स्वास्थ्य के लिए योग। इस साल की थीम बताती है कि हमारी सेहत और धरती की सेहत एक दूसरे से जुड़ी हुई है।यह भारतीय संस्कृति की वसुधैव कुटुंबकम की विचारधारा से जुड़ी है। इसका मतलब है सारी दुनिया एक परिवार है। डी के भारती ने कहा कि योग केवल शरीर को मोड़ने मरोड़ने की क्रिया नहीं, बल्कि आत्म साक्षात्कार की वह प्रद्धति है, जिसमें तन,मन और चित्त तीनों का सम्यक संतुलन होता है। उत्तम भोई ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं,यह समरसता, सामुहिकता और समर्पण का आव्हान है ।योग को अपनाइए और उस ऊर्जा को निरंतर दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

स्वामी आत्मानंद स्कूल भूकेल में मनाया गया योग दिवस

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत स्वामी आत्मानंद इंग्लिश / हिंदी विद्यालय भुकेल में 21 जून को प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर वन नेशन वन हेल्थ की थीम पर योग दिवस का आयोजन किया गया। प्राचार्य चक्रधर पटेल ने बताया कि कक्षा 1 ली से 12 वीं तक के हिंदी मीडियम एवम अंग्रेजी मीडियम के बच्चों को एक साथ योग कराया गया। योग शिक्षक के रूप में विजय शंकर विशाल ने कुशलता पूर्वक योग के महत्व को बताते हुए योगाभ्यास कराया । जिसमे वार्मिंग - जॉगिंग , प्राणायाम , ध्यान , आसन आदि का योग प्राणायाम सभी ने विधिपूर्वक किया।

योग के पश्चात एमडीएम की व्यवस्था सभी के लिए थी। इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता डी के मरावी , एन पी नायक , पाठक नेहरू लाल पटेल , श्रीमती पूर्णिमा देवांगन , व्यायाम शिक्षक दुर्योधन पटेल , कु रिया पटेल , के अलावा समस्त स्टॉफउपस्थित थे। उक्त जानकारी चक्रधर पटेल प्राचार्य में दी।

समाज में फैले अंधविश्वास,जादू-टोना, टोनही प्रथा मुद्दे को उठाते हुए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया

- छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा एवं समाज शास्त्र विभाग पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित
- अंधविश्वास से लड़ने वैज्ञानिक सोच विकसित कर सामाजिक एवं सामूहिक सहभागिता जरूरी-पीसी रथ

सरायपाली, महासमुन्द(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के मार्गदर्शन में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर समाज शास्त्र विभाग के छात्रों द्वारा महासमुंद के सरायपाली ब्लॉक के गांव किसड़ी के स्कूल में समाज में फैले अंधविश्वास,टोनही प्रथा तथा कई गंभीर जनजागरुकता से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के पीसी रथ ने कहा है कि विज्ञान मानव जीवन में गहरा प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण व विज्ञान को अपनाने से प्रकृति के अनेक रहस्य व

जानकारियों को समझा जा सकता है।देश से अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म करने के लिए वैज्ञानिक चेतना व दृष्टिकोण का विस्तार बहुत ही आवश्यक है। आगे उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश के कर्णधार होते हैं,जिनके द्वारा उनमें व समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित होना बहुत ही जरूरी है। वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए कोई उम्र नहीं होता है। समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए शिक्षक और छात्र महत्वपूर्ण योगदान निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के सदस्य व विज्ञान शिक्षक प्रेमचन्द साव ने कहा कि अंधविश्वास से छूटकारा पाने के लिए हमें सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।शिक्षा,जागरूकता,वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर हम प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकते हैं।अजय कुमार भोई ने छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा रायपुर द्वारा अंधविश्वास,टोनही प्रथा,पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए चलाए जा विभिन्न उद्देश्यों एवं गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि अंधविश्वास को किसी उपदेश या कानून से समाप्त नहीं किया जा सकता है बल्कि वैज्ञानिक सोच रखकर इसे समाप्त करने के लिए सामाजिक जागरूकता लाना आवश्यक है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किसड़ी के वरिष्ठ व्याख्याता किशोर कुमार रथ ने सर्प दंश के कारण एवं निवारण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया।पत्रकार सुधीर आजाद तंबोली ने बताया कि प्रत्येक कार्य या क्रिया में विज्ञान की महत्वपूर्ण योगदान होता है, जिससे जानने समझने के लिए विज्ञान की कला व दुनिया को समझना जरूरी है।छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के पूर्व सचिव पीसी रथ द्वारा तथाकथित चमत्कारों के पीछे के विज्ञान का प्रदर्शन करते हुए मंत्रों द्वारा अग्नि प्रगट करना,नींबू के रस में खून निकालना,भूत को पकड़कर भस्म करना,कान से पत्रों को पढ़ना जैसे विज्ञान के तथाकथित चमत्कारों को प्रदर्शित करते हुए विज्ञान के उपयोग और महत्ता को सरल शब्दों में समझाया गया।जन विज्ञान केंद्र जगदीशपुर में आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण एवं ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए प्रसिद्ध पर्यावरणविद् छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के सचिव डॉ.वॉय.के.सोना ने पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा सकने वाले कार्यों को विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए घर,दुकानों,विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों,कल कारखानों आदि से निकलने वाले कचरा व अपशिष्ट पदार्थों के प्रबंधन के बारे में बताया गया। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र भोई,वरिष्ठ व्याख्याता किशोर कुमार रथ,मनोज कुमार साहू, पुस्तक साहू,चित्रसेन भोई,छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा से अजय कुमार भोई।

हनुमान नगर श्री राम इंडोर स्टेडियम में बीएनआई क्रिएटर्स द्वारा रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर का एक दिवसीय आयोजन, मेयर बाघमार हुई शामिल

दुर्ग/ समय दर्शन। आज एक दिवसीय वार्ड क्रमांक 21श्री राम इंडोर स्टेडियम, हनुमान नगर दुर्ग में एक रक्तदान और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बीएनआई विश्व का सबसे बड़ा और सबसे सफ्ल बिजनेस रेफरल ऑर्गनाइजेशन है। 79 देशों में 3 लाख 43 हजार से ज्यादा मेंबर्स ने मिलकर 2 लाख करोड़ से ज्यादा का व्यापार केवल एक वर्ष में किया है।भिलाई-दुर्ग में BNI के तीसरी चैप्टर BNI क्रिएटर्स चैप्टर के 40 व्यापारी मेम्बर्स ने विगत 5 वर्षों में, गिवर्स गेन (Givers Gain) फ्लासफी के माध्यम से, 100 करोड़ से ज्यादा का व्यापार किया। बता दे कि बीएनआई BNI क्रिएटर्स चैप्टर, भिलाई-दुर्ग द्वारा एक रक्तदान और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 22 जून 2025 को श्री राम इंडोर स्टेडियम,हनुमान नगर में किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों के साथ ही व्यापारियों का समूह भी सम्मिलित होने का एकमात्र उद्देश्य रक्तदान को बढ़ावा देना और लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करना है। मेयर श्रीमती बाघमार ने कहा शिविर का उद्देश्य लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना है। सभी योग्य रक्तदाताओं से इस पुनीत कार्य में भाग लेने की अपील की कार्यक्रम में मेयर श्रीमती अल्का बाघमार एवं छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने आकर सभी का मार्गदर्शन के साथ ही प्रोत्साहन देते हुए सभी को रक्तदान को महादान बताते हुए नागरिकों का उत्साह बढ़ाया। इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने के लिए क्षेत्र के पार्षद अरुण सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाते हुए योगदान दिया।इस अवसर पर एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। इस आयोजन में करीब 120 लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच करवाई और 70 से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया।सभी दान दाताओं को सर्टिफ्किट के साथ ही यातायात में जीवन रक्षक के स्वरूप हेलमेट भी सभी रक्तदाताओं को प्रदान किया गया।बीएनआई क्रिएटर्स बिजनेस ग्रोथ के साथ ही समाज के प्रति सकारात्मक सोच के साथ सेवा में भी कार्यरत रहते हैं।

ब्रह्मकुमारीज संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का सफल आयोजन

बसना (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अतिथि योगाचार्य भ्राता रमेश अग्रवाल, सेवा केंद्र प्रभारी ब्र कु प्रीति दीदी एवं ब्र. कु. जमुना दीदी ने दीप प्रज्वलित कर प्रभु स्मृति के साथ कार्य क्रम का शुभारंभ किया।

शारीरिक कल्याण के साथ मानसिक और आत्म कल्याण के लिए मानव की दिनचर्या में योग अभ्यास करना बेहद लाभकारी होता है। आज दुनिया में दु:ख अशांति अत्याचार अत्यधिक बढ़ रहा है।

लोग सच्चा सुख शान्ति प्रेम आनंद खुशी बाहर व्यक्ति वस्तु संबंध और साधनों में ढूंढ रहे हैं पर मिल नहीं रहे हैं ऐसे समय पर स्वयं परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा समग्र विश्व को सहज राजयोग सिखा रहे हैं।

आत्म अनुभूति, परमात्म अनुभूति एवम जीवन में सुख शान्ति प्राप्त करने का साधन-राजयोग है। इसके निरंतर अभ्यास से तन मन शांत व शक्तिशाली बन जाता है। जीवन

में दैवी गुणों की महक आने लगती है जिसकी आज समाज को अति आवश्यकता है। उक्ताशय विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मानव कल्याण भवन बसना सेवाकेंद्र में राजयोगिनी ब्र कु उ प्रीति दीदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन पर रखे, और राजयोग ध्यान करवाया। इस अवसर पर योगाचार्य रमेश अग्रवाल प्राणायाम,मंत्रोच्चार के साथ सूर्य नमस्कार और शारीरिक व्यायाम कराया गया। वहीं सेवा केंद्र संचालिका प्रीती दीदी ने उपस्थित योग साधकों को राजयोग से जीवन व्यवहार में किस प्रकार सकारात्मकता लाई जा सकती है, पर विचार रखे कि राजयोग का अभ्यास व्यक्ति को आध्यात्मिक जागृति की ओर ले जाता है, जिससे वह नकारात्मक विचारों से दूर हो जाता है और सकारात्मकता की ओर बढ़ता है। तनाव और चिंतामुक्त करने में मदद करता है। राजयोग एक शक्तिशाली योग प्रणाली है जो मन, शरीर और आत्मा को शसक्त बनाने तथा आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने का एक मार्ग प्रदान करती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिये योग पर आधारित कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया एवं प्रभु सौगात और प्रभु प्रसाद प्रदान किया तथा पुन: राजयोग का अभ्यास करने के लिए सभी को प्रेरित किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26